NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 14 अंकः 64 लखनऊ, गुरूवार 17 अक्टूबर 2024 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

झारखंड चुनाव भाजपा ने तय किए 55 प्रत्याशियों के नाम! जानें JDU और AJSU को मिलेंगी कितनी सीटें

एजेंसी।

नई दिल्ली भाजपा राज्य में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। झारखंड में दो चरणों में 13 नवंबर और 20 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। भाजपा राज्य में अपने सहयोगियों को भी साधने की कोशिश में है।चुनाव आयोग द्वारा 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने उम्मीदवारों का चयन करने और रणनीति तैयार करने के लिए मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में बैठक की। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय

महासचिव (संगठन) बीएल संतोष सीईसी सदस्यों में से थे, जिन्होंने उम्मीदवारों की संभावित सूची पर विचार–विमर्श किया। झारखंड चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, सह–प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और संजय सेठ के अलावा पार्टी की झारखंड इकाई के प्रमुख बाबूलाल मरांडी और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा भी मौजूद थे। भाजपा राज्य में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। झारखंड में दो चरणों में 13 नवंबर और 20 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। भाजपा राज्य में अपने सहयोगियों को भी साधने की कोशिश में है। भगवा पार्टी ने एनडीए के अन्य सहयोगियों के लिए केवल 12 सीटें छोड़ने की योजना बनाई है। इसमें नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जेडीयू 4, एजेएसयूपी और चिराग पासवान की पार्टी शामिल है। दावा किया जा राह है कि भाजपा ने 55 सीटों के लिए लगभग अपने उम्मीदवार तय कर लिए है। वहीं, सहयोगियों से भी बातचीत जारी है। नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जेडीयू 4 सीटों के लिए दबाव बना रही है, जबकि बीजेपी पार्टी के लिए 2 सीटें छोड़ना चाहती है।

अयोध्या में दीपोत्सव: 28 लाख दीयों को बिछाने के लिए मार्किंग प्रक्रिया शुरू, पुराना रिकार्ड तोड़ने की कोशिश

Ioknnkrk

अयोध्या में शुरू हुआ दीपोत्सव अब आठवीं बार कीर्तिमान बनाने को तैयार है। प्रशासन ने कमर कस ली है और काउंटडाउन भी शुरू हो गया है। अब बस इंतजार है 30 अक्टूबर को होने वाले मुख्य आयोजन का। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की तरफ से दीपोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए दो दर्जन से अधिक कर्मियों के साथ राम की पैड़ी के घाटों पर मार्किंग का कार्य शुरू कर दिया है। बुधवार को पूर्वाह्न कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के दिशा–निर्देशन में विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव मोहम्मद सहील ने दूसरी बार मार्किंग की कमान

सम्भाली। उन्होंने माइक्रोबायोलाजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रंजन सिंह व कर्मियों के साथ दीपोत्सव के दिन 25 लाख दीए प्रज्ज्वलित किए जाने को लेकर 28 लाख दीए सजाने के लिए घाटों पर मार्किंग का कार्य कराया। उप कुलसचिव सहील ने बताया कि एक सप्ताह में घाटों पर मार्किंग का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि एक सप्ताह में राम की पैड़ी के 55 घाटों पर मार्किंग कार्य पूरा कर लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि 20 अक्टूबर तक स्वयंसेवकों के आई कार्ड देर शाम से वितरित होना शुरू हो जायेगा। राम की पैड़ी पर 25 लाख दीपों को प्रज्ज्वलित करने व 28 लाख दीए बिछाने के लिए 30 हजार स्वयंसेवकों को क्यूआर कोड से सुसज्जित आईकार्ड दिया जायेगा। इस आई कार्ड को फुलप्रूफ बनाने के लिए कई फीचर्स भी शामिल किए गए हैं। इससे स्वयंसेवकों के आईकार्ड में डुप्लीकेसी नहीं हो सकेगी। उन्होंने बताया कि इस क्यूआर कोड से लैस आईकार्ड में स्वयंसेवकों का नाम, फोटो, मोबाइल नम्बर, तैनाती स्थल एवं क्रमांक अंकित रहेगा। इसके अतिरिक्त आईकार्ड में जिला प्रशासन के प्राधिकृत अधिकारी, दीपोत्सव नोडल अधिकारी के साथ प्राधिकृत संस्था या इकाई के हस्ताक्षर रहेंगे।

मनोज तिवारी का आरोप, क्रेडिटचोर बन गई है आम आदमी पार्टी, पार्टी में हो रहा लूट और झूठ का खेल

एजेंसी।

नई दिल्ली बिजली कनेक्शन देने और मीटर लगाने का काम दिल्ली सरकार का है। इसलिए जैसे ही लोग इस समस्या को लेकर हमारे पास आये तो हमने माननीय उपराज्यपाल जी से मुलाकात की और इसका समाधान निकाला। नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद मनोज तिवारी ने आज एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी का आधार और चरित्र दोनों ही झूठ एवं लूट का है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना क्रेडिट चोर बन गई हैं। उन्होंने बेशर्मी के साथ झूठ बोलते हुए कहा कि क्क। ने आदेश निकाला था कि बिजली कनेक्शन के लिए कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को एन.ओ.सी. चाहिये होगा तभी कनेक्शन मिल पायेगा, सरासर झूठ है और जनता के बीच भ्रम फैलाने की साजिश है। डीडीए की एनओसी सिर्फ नई कॉलोनी काटने के लिए थी।संवाददाता सम्मेलन का संचालन कर रहे मीडिया प्रमुख श्री प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना झूठ बोलने की मशीन है और वह अभी भी उसी आधार अपनी सरकार चला रही हैं

जिस पर उनके नेता अरविंद केजरीवाल चला रहे थे। संवाददाता सम्मेलन में कार्यालय मंत्री बृजेश राय भी उपस्थित थे। मनोज तिवारी ने कहा कि अब भ्रष्टाचार आम आदमी पार्टी की पहचान बन चुका है। दिल्ली में बिजली मीटर ना लगने की समस्या देश में हुए लोकसभा चुनाव के ठीक 8 से 10 महीने पहले से आनी शुरू हुई थी क्योंकि आम आदमी पार्टी सरकार दिल्ली के अनियमित कालोनी व झुग्गीवासियों में साजिश कर केंद्र सरकार को बदनाम करने और भ्रमित करके उनका वोट पाने की एक चाल चली थी, जो कामयाब नहीं हो पाई। बिजली कनेक्शन देने और मीटर लगाने का काम दिल्ली सरकार का है। इसलिए जैसे ही लोग इस समस्या को लेकर हमारे पास आये तो हमने माननीय उपराज्यपाल जी से मुलाकात की और इसका समाधान निकाला। तिवारी ने कहा कि डीडीए की एन.ओ.सी. की जरूरत मीटर लगाने के लिए ना कभी था, ना है और ना ही आगे रहेगा। डीडीए के छव्ब की जरूरत सिर्फ नई कालोनियाँ काटने के लिए होता है क्युकी डीडीए सड़क,सीवर,और मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करवा सके।इसी का फायदा उठाते हुए शातिर आम आदमी पार्टी सरकार ने लोगों के अंदर एक भ्रम फैलाने का काम किया। उन्होंने कहा कि आतिशी जब बिजली मंत्री थी तभी उस वक्त ये खेल शुरू हुआ। 5–5 वर्षों से एक ही कनेक्शन से 300–400 घरों में कनेक्शन दिया गया और 21 रुपए प्रति यूनिट तक के हिसाब से उन गरीब परिवारों से वसूल किए गए।

उमर अब्दुल्ला ने सुरिंदर चौधरी को अपना डिप्टी क्यों चुना ?

, t lhA

जम्मू–कश्मीर उमर अब्दुल्ला ने बाद में खुलासा किया कि सुरिंदर कुमार चौधरी को उनके डिप्टी के रूप में क्यों चुना गया था। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि जम्मू के लोगों को यह महसूस हो कि उनकी कोई आवाज नहीं है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने आज जम्मू–कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। भाजपा छोड़कर पार्टी में शामिल हुए जम्मू के मूल निवासी सुरिंदर कुमार चौधरी को केंद्र शासित प्रदेश का उप मुख्यमंत्री चुना गया है। अब्दुल्ला ने पांच मंत्रियों – सकीना मसूद (इटू), जावेद डार, जावेद राणा, सुरिंदर चौधरी और सतीश शर्मा के साथ पद की शपथ ली। उमर अब्दुल्ला ने बाद में खुलासा किया कि सुरिंदर कुमार चौधरी को उनके डिप्टी के रूप में क्यों चुना गया था। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि जम्मू के लोगों को यह महसूस हो कि उनकी कोई आवाज नहीं है। अब्दुल्ला ने दावा किया कि मैंने कहा था कि हम जम्मू को यह महसूस नहीं होने देंगे कि इस सरकार में उनकी कोई आवाज या प्रतिनिधि नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने जम्मू से एक उपमुख्यमंत्री चुना है ताकि जम्मू के लोगों को लगे कि यह सरकार उतनी ही उनकी है जितनी बाकी लोगों की है। चौधरी ने नौशेरा में बीजेपी के रविंदर रैना को 7819 सीटों से हराया। वह हिंदू बहुल इलाकों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के एकमात्र विधायक हैं।नए उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने बुधवार को कहा कि यह पूरे जम्मू क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है और उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने हमेशा लद्दाख सहित तीनों क्षेत्रों को साथ लेकर काम किया है। जम्मू के पीर पंजाल क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले चौधरी ने कहा कि उमर अब्दुल्ला सरकार की प्राथमिकताएं कमियों को दूर करना है, बेरोजगारी, बिजली और पानी

की समस्या जैसे मुद्दों का समाधान करना, अस्पतालों और स्कूलों के कामकाज में सुधार करना और पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 'दरबार मूव' को फिर से शुरू करना होगा जो एक ऐसी व्यवस्था थी जिसके तहत राज्य सरकार जम्मू और श्रीनगर से छह–छह माह काम करती थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू में चार सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली, जिससे यह रणनीतिक कदम उठाया गया। 56 वर्षीय चौधरी जम्मू के मरहा के रहने वाले हैं और दयाल चंद के बेटे हैं। उन्होंने अपनी आठवीं कक्षा तक की शिक्षा गवर्नमेंट हाई स्कूल, गजनसू से पूरी की। चौधरी ने 2014 के विधानसभा चुनाव में पीडीपी के टिकट पर नौशेरा से चुनाव लड़कर राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश किया। हालाँकि, वह भाजपा के रविंदर रैना से हार गए, जिन्होंने चौधरी के 27,871 की तुलना में 37,374 वोट हासिल किए। चौधरी और रैना की प्रतिद्वंद्विता 2014 के नौशेरा चुनावों से चली आ रही है, जहां तनाव एक शारीरिक विवाद में बदल गया और रैना को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। तब से, उनकी राजनीतिक दुश्मनी लगातार बढ़ती जा रही है।

परिवहन मंत्री ने अमर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद देवरिया के प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह ने भारतीय सेना के जांबाज नायक कैप्टन–अंशुमान–सिंह के प्रथम पुण्य तिथि पर आज लखनऊ स्थित बुद्धेश्वर चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि मेरे प्रभार के जनपद देवरिया के ऐसे लाल अमर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की जयंती पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होना मेरे लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि शहीद अंशुमान विगत वर्ष 19 जुलाई 2023 को सियाचिन में अपने सहयोगियों को बचाते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। जब तक ऐसे बीर सपूत हमारे देश में पैदा होते रहेंगे तब तक हमारे देश की तरफ आँख उठाने की साहस कोई भी दुश्मन देश नहीं कर सकता। मैं ऐसे बीर सपूत के माता–पिता को दिल से नमन करता हूँ।

लखनऊ सहित प्रत्येक चिन्हित जनपदों में 10 हेक्टेयर मखाना उत्पादन का लक्ष्य - दिनेश प्रताप सिंह

लखनऊ। योगी सरकार ने मखाने की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक नई योजना शुरू की है, जिसके तहत किसानों को प्रति हेक्टेयर 40 हजार रुपये का अनुदान दिया जायेगा। इस योजना का प्रदेश के 18 जिलों में शुरूआत की गई है, जिसमें उद्यान विभाग

द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन के नवान्मेषी कार्यक्रम के अंतर्गत कार्य किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य रोजगार सृजन के साथ–साथ किसानों की आय में वृद्धि करना है।उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने यह जानकारी दी है कि मखाना खेती की विभाग द्वारा अनुमन्य इकाई की लागत 80 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर है, जिसमें सरकार 50 प्रतिशत यानी 40 हजार रुपये का अनुदान देगी। इसके लिए किसानों को जिला उद्यान अधिकारी के पास पंजीकरण कराना होगा। योजना के तहत प्रत्येक चिन्हित जनपदों में 10 हेक्टेयर मखाना उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे प्रदेश में कुल 180 हेक्टेयर में मखाने की खेती होगी। प्रदेश के लखनऊ, सीतापुर, सुल्तानपुर, प्रयागराज, प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, बस्ती, संतकबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, बलिया, कुशीनगर, महाराजगंज, मिर्जापुर, बरेली, अयोध्या और गोरखपुर जिलों में इस योजना को लागू किया जा रहा है। इन जिलों में मखाने की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु और संसाधन उपलब्ध हैं, जहां तालाबों और निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति मखाना उत्पादन के लिए अनुकूल है।

आंध्र प्रदेश में अज्ञात बदमाशों ने तोड़ी मंदिर की दीवार, सीएम नायडू ने दिए जांच के आदेश

एजेंसी।

आंध्र प्रदेशपुलिस ने इंडियन ट्रेजर ट्रोव एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है। घटना के बाद मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंदिर पर हमले की निंदा की और अधिकारियों को गहन जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस को दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आदेश दिया। रिपोर्टों से पता चलता है कि देवी–देवताओं की मूर्तियों सहित मंदिर के अंदरूनी हिस्से को भी तोड़ दिया गया था। मंदिर के प्रवेश द्वार पर छाया प्रदान करने वाला एस्बेस्टस शीट शेड भी क्षतिग्रस्त हो गया। आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में स्थित श्री अभय अंजनेय स्वामी मंदिर को असामाजिक तत्वों ने ध्वस्त कर दिया। यह घटना जंगल से लगभग 3 किमी अंदर मुलकलाचेरुवु मंडल के कादिरीनाथुनकोटा गांव के पास हुई। भगवान अंजनेय स्वामी का मंदिर उसके द्वार और दीवारों सहित ध्वस्त कर दिया गया। अन्नमय्या जिले के पुलिस अधीक्षक बी कृष्ण राव ने बताया कि हमें संदेह है कि यह खजाने की खोज करने वालों या मंदिर से जुड़े प्रतिद्वंद्वी समूहों के लोगों का काम है। पुलिस ने इंडियन ट्रेजर ट्रोव एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है। घटना के बाद मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंदिर पर हमले की निंदा की और अधिकारियों को गहन जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस को दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आदेश दिया। रिपोर्टों से पता चलता है कि देवी–देवताओं की मूर्तियों सहित मंदिर के अंदरूनी हिस्से को भी तोड़ दिया गया था। मंदिर के प्रवेश द्वार पर छाया प्रदान करने वाला एस्बेस्टस शीट शेड भी क्षतिग्रस्त हो गया।घटना की सूचना पुलिस को दी गई। स्थानीय नेताओं की शिकायत के बाद अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है. पुलिस को संदेह है कि यह अपराध खजाने की खोज करने वालों ने किया है।

पूर्व सांसद जयाप्रदा को अदालत से राहत, आचार संहिता उल्लंघन मामले में किया बरी

संवाददाता।

लखनऊ रामपुर की विशेष सांसदधविधायक अदालत ने पूर्व सांसद जया प्रदा नाहटा को आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में बड़ी राहत देते हुए बरी कर दिया। जया के वकील अरुण प्रकाश सक्सेना ने संवाददाताओं को बताया कि रामपुर से पूर्व सांसद के खिलाफ 2019 में जिले के स्वार थाने में मामला दर्ज किया गया था।रामपुर (उत्तर प्रदेश) । रामपुर की

विशेष सांसदधविधायक अदालत ने पूर्व सांसद जया प्रदा नाहटा को आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में बुधवार को बड़ी राहत देते हुए बरी कर दिया। जया के वकील अरुण प्रकाश सक्सेना ने संवाददाताओं को बताया कि रामपुर से पूर्व सांसद के खिलाफ 2019 में जिले के स्वार थाने में मामला दर्ज किया गया था। उनके मुताबिक, इसमें आरोप लगाया गया था कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बावजूद जया ने नूरपुर गांव में बिना अनुमति के जनसभा का आयोजन कराया और एक सड़क का उद्घाटन किया। जयप्रदा उस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर रामपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही थीं। उन्होंने बताया कि विशेष सांसदधविधायक अदालत के न्यायाधीश शोभित बंसल ने जया को सुबूतों के अभाव में बरी कर दिया। जया ने अदालत के फैसले के बाद संवाददाताओं से कहा, "उन्हें अदालत के निर्णय पर खुशी है।

भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवायें ध्वस्त हो गयीं हैं– अखिलेश यादव

संवाददाता।

लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवायें ध्वस्त हो गयीं हैं। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ है। उन्हें ठीक से दवा इलाज नहीं मिल रहा है। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में डेंगू मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियां फैली हुई हैं। लखनऊ में कई दर्जन लोग हर दिन डेंगू की चपेट में आ रहे हैं। पिछले 1 महीने में लखनऊ में ही एक हजार से ज्यादा लोग डेंगू के शिकार हो चुके हैं। लखनऊ में मंगलवार को ही डेंगू के 61 मरीज पाए गए। इसी तरह से मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों से बड़ी संख्या में लोग बीमार और पीड़ित हैं। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। शहरों में साफ सफाई का अभाव है, गंदगी की भरमार है। भाजपा सरकार लोगों के स्वास्थ्य को लेकर जरा भी गंभीर नहीं है।राजधानी लखनऊ में डेंगू के कारण लोगों की मौतें हो चुकी हैं। सैकड़ों की संख्या में लोग अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। प्लेटलेट्स और ब्लड की कमी को लेकर मारामारी है। भाजपा सरकार आम जनता की लगातार उपेक्षा कर रही है। मरीज और तीमारदार भटक रहे हैं। शासन प्रशासन को पता रहता है कि इस सीजन में संक्रामक बीमारियां और मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है, जिसके कारण डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड

बढ़ जाती हैं लेकिन उसके बाद भी सरकार कोई उपाय नहीं करती। फागिंग और दवाओं की उचित व्यवस्था नहीं है। राजधानी लखनऊ के साथ–साथ प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से चरमराई हुई है। बीएचयू अस्पताल में मरीजों की लम्बी–लम्बी कतारें लगी रहती है। मरीजों को जांच दवाई और इलाज के लिए लम्बा इंतजार करना पड़ता है। यह बेहद शर्मनाक है कि प्रधानमंत्री जी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी और राजधानी लखनऊ तक में भाजपा सरकार इलाज की उचित व्यवस्था नहीं करा पा रही है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश के अन्य जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं की क्या स्थिति होगी?

पशुसेवा अस्माकं धर्मः अर्थात पशु की सेवा हमारा धर्म पशुसेवा के कार्यों को पशु विज्ञान के माध्यम से भलीभांति संपादित करें

धर्मपाल सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन दुग्ध विकास एवं राजनैतिक पेंशन विभाग के मंत्री धर्मपाल सिंह आज यहां पशुपालन निदेशालय में पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने शपथ ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'पशुसेवा अस्माकं धर्मः' अर्थात पशु की सेवा हमारा धर्म है और पशुधन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों को यह सौभाग्य प्राप्त है कि वह पशुसेवा के कार्यों को पशु विज्ञान के माध्यम से भलीभांति संपादित कर सके।शपथ ग्रहण समारोह में पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह यादव ने अध्यक्ष, अरूण कुमार प्रजापति ने उपाध्यक्ष, फूलचन्द्र सुमन ने महामंत्री, हरीश सिंह ने संयुक्त मंत्री, अखिलेश पाण्डेय ने कोषाध्यक्ष तथा शालिनी गुप्ता ने ऑडिटर के पद पर शपथ ली।इस अवसर पर पशुधन मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विगत वर्षों से पशुधन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं और पशुधन विभाग सरकार की प्राथमिकता में है। पशुधन विभाग केवल पशुधन संरक्षण के लिए ही नहीं बल्कि प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति देने में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। सिंह ने शपथ ग्रहण करने वाले पदाधिकारियों से कहा कि शपथ लेना तभी सार्थक होगा, जिस उद्देश्य के तहत शपथ ली है, उसे पूर्ण करने का प्रयास किया जाए।

माटीकला बोर्ड के 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण के लिए करे आवेदन

प्रशिक्षार्थियों को निःशुल्क रहने, भोजन और प्रतिदिन 250 रुपये मानदेय मिलेगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रशिक्षण मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, डालीगंज, लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रशिक्षार्थियों को मिट्टी से बने उत्पादों जैसे दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सजावटी वस्तुएं, खिलौने और मूर्तियों पर कटिंग, चित्रकारी, नक्काशी आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण पूरी तरह से आवासीय होगा, जिसमें प्रशिक्षार्थियों के लिए निःशुल्क रहने और भोजन की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही, प्रशिक्षण में भाग लेने वाले कारीगरों को 250 रुपये प्रतिदिन का मानदेय भी प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक परम्परागत कारीगर, मूर्तिकार या माटीकला से जुड़े अन्य कारीगर 17 अक्टूबर 2024 तक अपने आवेदन जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, 8 कैण्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ में जमा कर सकते हैं। आवेदन के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, शैक्षिक योग्यता की मार्कशीट और बैंक पासबुक की छायाप्रति अनिवार्य होगी। आवेदन जमा करने की सुविधा ऑनलाइन भी उपलब्ध है। इच्छुक कारीगर बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट upmatikalaboard.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महर्षि वाल्मीकि जयन्ती पर देश व प्रदेशवासियों को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर देश व प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अपने शुभकामना सन्देश केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर देश और दुनियां को सत्य के रास्ते पर चलने का महत्वपूर्ण सन्देश दिया। भगवान श्रीराम की गौरवगाथा को जन–जन तक पहुंचाने मे महर्षि वाल्मीकि ने अपनी प्रज्ञा के आलोक से सबको आलोकित किया भगवान श्रीराम के जीवन दर्शन को रेखांकित कर उन्होने सामाजिक जीवन मूल्यो व आदर्शो को चिर स्थायित्व प्रदान करने का जो कार्य किया वह आज भी हम सबके लिए अनुकरणीय है, प्रेरणादायक है।

मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि जयन्ती पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं

लखनऊरू उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयन्ती पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। आज यहां जारी एक बयान में मुख्यमंत्रीने कहा कि आदिकवि महर्षि वाल्मीकि ने 'रामायण' के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम से जन–जन का साक्षात्कार कराया। 'रामायण' के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि ने समाज के सम्मुख जीवन के सर्वोत्कृष्ट मूल्यों एवं आदर्शों को प्रस्तुत किया। उनकी जयन्ती का यह अवसर हमें यह सिखाता है कि जीवन में कोई भी व्यक्ति धर्म और अध्यात्म के मार्ग पर चलकर महानता को प्राप्त कर सकता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार महर्षि वाल्मिकी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर जनकल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। महर्षि वाल्मीकि की महानता से वर्तमान और भावी पीढ़ी को सुपरिचित कराने के लिए सतत् प्रयासरत है। इस क्रम में लालापुर, जनपद चित्रकूट में उनकी तपोस्थली के सौंदर्यीकरण तथाअयोध्याधाम में महर्षि वाल्मीकि अन्तरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की स्थापना जैसे अनेक प्रयास किए गए हैं। आदिकवि की जयन्ती पर पूरे प्रदेश में मंदिरोंध्देवस्थानों पर रामायण पाठ व दीपदान तथा लालापुर में रामलीला, सन्त सम्मेलन, हवन, गौ–पूजन आदि का आयोजन किया जा रहा है। महर्षि वाल्मीकि जयन्ती पर मुख्यमंत्री जी ने विश्वास व्यक्त किया है कि यह पुण्य अवसर पूरे प्रदेश में शान्ति और सामाजिक सौहार्द को चिरस्थायी बनाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों के लिए सुख और समृद्धि की कामना की है।

यूपी मे "एक पेड़ मां के नाम" वृक्षारोपण महाअभियान में ग्राम्य विकास विभाग रहा सर्वश्रेष्ठ

ग्राम्य विकास विभाग में पौधरोपण करने में लखीमपुर खीरी जनपद रहा अव्वल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशो के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा चलायें गये "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधरोपण करने का कीर्तिमान बनाया गया है। प्रदेश में 20 जुलाई को अभियान की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत 13.54 करोड़ पौधे लगाकर ग्राम्य विकास विभाग ने अभियान में सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया है। ग्राम्य विकास विभाग में प्रदेश में जनपदों की बात करें तो लखीमपुर खीरी ने सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए योजनांतर्गत 43.24 लाख से ज्यादा पौधरोपण किया।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर समस्त विभागीय अधिकारियोंध्कर्मचारियों के साथ–साथ गांवों में निवास करने वाले आम नागरिकों की सहभागिता ने इस महाअभियान को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। बीते वर्षों से निरंतर प्रदेश द्वारा योजनांतर्गत वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है। यूपी को हरा–भरा बनाए रखने के लिए सरकार ने इस वर्ष ग्राम्य विकास विभाग को 13 करोड़ का लक्ष्य दिया गया,इस लक्ष्य को पार करते हुए 13.54 करोड़ से भी ज्यादा पौधरोपण किया गया। ग्राम्य विकास विभाग ने बीते सालों में भी वृक्षारोपण के कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया है। गत 5 वर्षों की बात करें तो वित्तीय वर्ष 2019–20 में आवंटित लक्ष्य 1018.52 लाख के सापेक्ष शत–प्रतिशत 1018.52 लाख पौधे रोपे गए थे। वर्ष 2020–21 में लक्ष्य 880.00 लाख के सापेक्ष 874.11 लाख पौधे रोपे गए थे। वर्ष 2021–22 में लक्ष्य 1056.00 के सापेक्ष 1053.42 लाख पौधे लगाए गए थे। वहीं वर्ष 2022–23 में आवंटित लक्ष्य 1232.00 लाख के सापेक्ष 1228.05 लाख पौधे रोपित किये गये तथा वर्ष 2023–24 में लक्ष्य 1259.20लाख के सापेक्ष 1323.89 लाख पौधों का रोपण कर किया गया। वहीं वर्तमान वर्ष 2024–25 में लक्ष्य 1300.15 के सापेक्ष 1354.62 लाख पौधों का रोपण कर रिकॉर्ड स्थापित किया गया।आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने हेतु ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जनपदों को लक्ष्य आवंटित किया गया। जनपदों द्वारा वृक्षारोपण के महाअभियान में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया गया, जिसमें लखीमपुर खीरी जनपद द्वारा सर्वाधिक 43 लाख से भी ज्यादा पौधरोपण किया गया, सोनभद्र ने 37 लाख से ज्यादा पौधों का रोपण किया, जबकि हरदोई ने भी 33 लाख से ज्यादा पौधरोपण कर अपना योगदान दिया।

सड़क सुरक्षा के लिए जनजागरूकता जरूरी –दयाशंकर सिंह

परिवहन मंत्री ने किया सड़क सुरक्षा पखवाड़े का समापन के अवसर पर 28 नये इण्टरसेप्टर वाहनों को दिखायी हरी झण्डी

इण्टरसेप्टर वाहनों से सड़क सुरक्षा कार्य में आयेगी मजबूती

लखनऊ। प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में आज इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन हुआ। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती समारोह से शुरू होकर आज सड़क सुरक्षा पखवाड़े का समापन हो रहा है। सड़क सुरक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है एवं आज के समय में बहुत ही आवश्यक विषय भी है। आज प्रदेश 13 हाईवेज के साथ देश में सबसे अधिक हाईवेज वाला प्रदेश है, जिसमें से 06 हाईवेज बन चुके हैं एवं अन्य हाई–वेज पर कार्य तेजी से चल रहा है। हाईवेज बनने से आवागमन में सुगमता के साथ–साथ समय का भी बचाव हो रहा है। साथ ही बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं भी चिन्ता का विषय हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने एवं अन्य लोगों से कराने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित थे। उनसे उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों को अपने दिनचर्या में लाने का आह्वान किया।

परिवहन मंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि में उत्तर प्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है, यह एक चिन्ता का विषय है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को लेकर बहुत ही अधिक संवेदनशील हैं। उनकी अध्यक्षता में साल में दो बार सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक आयोजित होती है। प्रदेश में जितनी मौतें कोरोना काल में भी नहीं हुई उससे अधिक मौतें (लगभग 23 हजार प्रतिवर्ष) सड़क दुर्घटनाओं की वजह से होती हैं। होने वाली मौतों में सबसे अधिक संख्या 18–35 आयु वर्ष वाले युवाओं की है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत तक की कमी लाने का लक्ष्य है। इसी के दृष्टिगत प्रदेश में समय–समय पर सड़क सुरक्षा अभियान के साथ–साथ सड़क सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएं भी विभाग करा रहा है। इसके अलावा सभी कॉलेजों एवं विद्यालयों में रोड सेफ्टी क्लब का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग एवं स्टेक होल्डर विभाग (पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगर विकास इत्यादि) के अलावा आमजन का भी सहयोग बेहद जरूरी है। आमजन की सहभागिता से ही लक्ष्य को प्राप्त करना संभव है।परिवहन मंत्री ने कहा कि 2014 से पूर्व लोग जगह–जगह पर कूड़ा–कचड़ा फेक दिया करते थे, परन्तु देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता पखवाड़े की शुरूआत के पश्चात अब परिस्थितियों में बदलाव आया है और लोग स्वयं साफ–सफाई तो कर ही रहे हैं, बल्कि गंदगी करने वाले लोगों को टोक भी रहे हैं। इसी प्रकार सड़क सुरक्षा को भी प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित शपथ भी दिलायी। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति स्व0 एपीजे अब्दुल कलाम का एक उद्धरण भी सुनाया–कहा ''सपने वो नहीं होते हैं, जो रात में हम देखते हैं, बल्कि सपने वो होते हैं जो हमें सोने न दें। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत सोंच व दृढ़–इच्छाशक्ति से किया गया प्रत्येक कार्य सफल होता है। उन्होंने कहा कि दुपहिया वाहन चालक हेलमेट एवं चार पहिया चालक सीटबेल्ट का प्रयोग आवश्य करें। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक एवं एलईडी पैनल पर विज्ञापन के माध्यम से उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।परिवहन मंत्री ने सड़क सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए कार्यक्रम के समापन के अवसर पर 28 नये इण्टरसेप्टर वाहनों को हरी झण्डी दिखायी। उन्होंने कहा कि इण्टरसेप्टर वाहनों के माध्यम से सड़क सुरक्षा के कार्य में और तेजी आयेगी एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों को कार्य करने में सुगमता होगी। इण्टरसेप्टर वाहनों से ओवर स्पीडिंग, ड्रकेन ड्राइव, रांग साइड ड्राइविंग, मोबाइल इस्तेमाल की जांच में आसानी होती है।कार्यक्रम के दौरान अपर मुख्य सचिव परिवहन एल0 वेंकटेश्वर लू, परिवहन आयुक्त चन्द्रभूषण सिंह, अपर परिवहन आयुक्त पुष्पसेन सत्यार्थी, ए0के0 सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी संजय कुमार तिवारी, संदीप कुमार पंकज सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यटन मंत्री ने संस्कृति विभाग की चालू वित्तीय वर्ष में स्वीकृत परियोजनाओं से संबंधित टेण्डर प्रक्रिया पूरा करने के निर्देश दिये

निर्धन कलाकारों की प्रतिभा को उचित सम्मान देने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास करे-जयवीर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि संस्कृति विभाग की विभिन्न संस्थानों में की जा रही विभिन्न गतिविधियों से आम जनता खासतौर से युवाओं को जोड़ें, जिससे प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास के साथ ही भारतीय जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विभिन्न नीतियों के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद धार देने के साथ आम जनता को अपने विरासत पर गर्व करने का अवसर प्रदान कर रही है। इसके साथ ही देशी–विदेशी पर्यटकों को मार्केटिंग एवं ब्राण्ड एम्बेस्डर के रूप में प्रोत्साहित कर अधिक से अधिक विदेशी पर्यटकों को उ0प्र0 की ओर आकर्षित करने के लिए विश्व स्तरीय सुविधायें सृजित कर रही है। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष की स्वीकृत परियोजनाओं से संबंधित निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये।पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह आज गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन में संस्कृति विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न संस्थानों तथा निर्माण कार्य की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ पूरा करने के साथ ही प्रस्तावित कार्यों को यथाशीघ्र शुरू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्य में रूचि न लेने वाले तथा लापरवाह अधिकारियों एवं संस्थाओं की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने विभिन्न संस्थानों से और अधिक एमओयू साइन करने के निर्देश दिए। साथ ही, विशेष रूप से निर्देशित भी किया कि निश्चित समय सीमा में कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी करें। उन्होंने प्रदेश के सभी 75 जिलों में सांस्कृतिक आयोजन कराने, संस्कृति और संगीत को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने और महाकुम्भ जैसे आस्था पर्व का जनमास से जोड़ने के निर्देश दिये। ताकि प्रदेश की छुपी प्रतिभाओं को और गुणी कलाकारों को दुनिया के सामने लाया जा सके।पर्यटन मंत्री ने विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान संस्कृति नाटक अकादमी, भारतेन्दु नाट्य अकादमी, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्थान, वृंदावन शोध संस्थान, राज्य ललित कला अकादमी सहित अन्य संस्थाओं को अन्य संस्थाओं से मिलकर सांस्कृतिक कार्यक्रम, गतिविधियां कराने के निर्देश दिए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं और नई पीढ़ी को परंपरागत कला, संस्कृति से जोड़ना हो।

आजाद, आरएसएसएफ हनुमानगंज और प्रयाग ब्वायज को मिली जीत

आदित्य का हरफनमौला खेल, राघव का अर्धशतक, शारिफ की उम्दा गेंदबाजी

प्रयागराज(आरएनएस)। आदित्य यादव के हरफनमौला खेल (57 रन, 42 गेंद, सात चौके एवं 4ध्18) के खेल से आजाद स्पोर्ट्स क्लब, राघव दुबे के अर्धशतक (60 रन, 63 गेंद, छह चौके, तीन छक्के) व शारिफ अहमद की गेंदबाजी (7.3–0–31–4) से राइजिंग स्टार स्पोर्ट्स फाउंडेशन 'ए' और हनुमानगंज एएस क्लब एवं प्रयाग ब्वॉयज ने जीत दर्ज करके शशि द्विवेदी अंडर–14 बालक एवं बालिका क्रिकेट लीग में पूरे अंक प्राप्त किये।बुधवार को ईश्वर शरण इंटर कॉलेज मैदान पर आजाद स्पोर्ट्स क्लब ने 32.3 ओवर में 166 रन (आदित्य यादव 57, आकाश 24, संदीप 22, आफताब 4ध्38, अनुराग पटेल 2ध्22, अंकित कुमार 2ध्24) बनाकर गंगा डिग्री कॉलेज को 29 ओवर में 131 रन (अंशु पटेल 34, अंकित कुमार 31, आदित्य यादव 4ध्18) पर समेट दिया। मैच में अजय कुमार व रवि केसरवानी अंपायर एवं आशीष भारतीय स्कोरर रहे। गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर राइजिंग स्टार स्पोर्ट्स फाउंडेशन 'ए' ने 39 ओवर में 152 रन (राघव दुबे 60, अंकुश 20, अमित 4ध्37, कर्तव्य पटेल 2ध्33) बनाकर गोपाल दास क्लब को 28.3 ओवर में 109 रन (अमित 26 नाबाद, अधिराज सिंह यादव 21, शारिफ अहमद 4ध्31, राधे वर्मा 3ध्25, यश पांडेय 2ध्11) पर समेट दिया। मैच में राहुल सिंह व तौसीफ शेख अंपायर एवं प्रितेश सोनकर स्कोरर रहे।चक हरिहर वन झूंसी मैदान पर सोनामती क्लब को 32.2 ओवर में 123 रन (आदर्श सिंह 52, अनुभव गुप्ता 3ध्23, शिवम कुमार 2ध्07, विवेक कुमार 2ध्24) पर समेटकर हनुमानगंज एएस क्लब ने 22 ओवर में तीन विकेट पर 124 रन (अंशु विश्वकर्मा 37, नाबाद, अनुभव गुप्ता 32, शिवांश दुबे, सतीश गुप्ता व आदर्श सिंह एक–एक विकेट) पर समेट दिया। मैच में पवन वर्मा व हितेश श्रीवास्तव अंपायर एवं मोहम्मद सैफ स्कोरर रहे।

डीएवी कॉलेज मैदान पर प्रयाग ब्वॉयज क्लब ने 39.2 ओवर में 140 (अनंत पाल 39, शुभम यादव 4ध्37 विराज 2ध्15) बनाये। जवाब में फोर्ड स्कूल 'ए' की टीम 39.5 ओवर में 130 रन (देवांश कुमार स्वप्निल 51, अर्चित सिंह 23, सागर केसरवानी 3ध्21, अनंत पाल 3ध्28, शुभ निषाद 2ध्25) पर सिमट गई। मैच में मोहम्मद आरिफ व अभिषेक मिश्र अंपायर एवं उमंग मिश्रा स्कोरर रहे।

जजिया कर जैसा है सरकार द्वारा लगाया गया पार्किंग शुल्क– अनुग्रह नारायण सिंह

सरकार इस पर करे पुनर्विचार नहीं तो होगा जन आंदोलन

प्रयागराज(आरएनएस)। उ० प्र० नगर विकास विभाग, उ० प्र० सरकार ने 12 सितम्बर को उ० प्र० नगर निगम (पार्किंग स्थान का सन्निर्माण, अनुरक्षण और प्रचालन) नियमावाली, 2024 अधिसूचित करके प्रदेश के नगर निगम क्षेत्रों में निवासित पहिये पर आधारित वाहन (साइकिल, दो पहिया, तिपहिया, चार पहिया) धारकोंधनिम्न व मध्यम वर्ग के स्वामियों पर पार्किंग शुल्क के नाम पर घनघोर आर्थिक बोझ व शोषण की नीति बनाकर, ष्सुविधा के अनुसार शुल्कष् के न्यायिक सिध्दांत की धज्जियाँ उड़ाकर 12 अक्टूबर से प्रभावी बना दिया है। यह बातें पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अनुग्रह नारायण सिंह ने आज प्रेस वार्ता में कहीं।उन्होंने कहा कि उक्त नियमावली पर 30 दिन के अंदर नागरिकों द्वारा आपत्ति व सुझाव माँगी गयी किन्तु प्रयागराज के दो समाचार पत्रों में यह 6 अक्टूबर को सार्वजनिक सूचना के रूप में प्रकाशित की गई। इसी समय महान पर्व विजयादशमी व शारदीय नवरात्रि के कारण आपत्तिध्सुझाव नहीं दिये जा सके। यह नियमावली उ० प्र० नगर निगम अधिनियम 1959 तथा उ०प्र० मोटरयान कराधान अधिनियम, 1997 के संयुक्त प्राविधानों से युक्त है।

इसमें मार्ग से इतर तथा मार्ग पर पार्किंग स्थल का प्राविधान है। मार्ग से इतर के अंतर्गत खुलाध्धरातल, अधोतल (भूमिगत), बहुस्तरीयध्बहुमंजलीय तथा यांत्रिक पार्किंग स्थल हैं।

अनुग्रह नारायण सिंह ने कहा कि ष्मार्ग पर पार्किंगष् का तात्पर्य सार्वजनिक सड़क या मार्ग के किनारे वाहनोंध्यानों की पार्किंग है। मोटरयान अधिनियम की धारा 34 के अनुसार ष्सार्वजनिक स्थानष् से ऐसी सड़क, गली या मार्ग या अन्य स्थान, चाहे व आम रास्ता हो या नही, अभिप्रेत है जिस पर जनता को पहुँच का अधिकार प्राप्त है, और इसके अंतर्गत कोई स्थान या अड्डा भी हैं जहाँ पर गाड़ी द्वारा यात्रियों को चढ़ाया उतारा जा सकता है।

पूर्व विधायक ने कहा कि आम जनता पर सरकार ने जजिया कर जैसा कर लगाया गया है। उन्होंने आम जनता से इस नियमावली के खिलाफ जन आंदोलन छोड़ने की अपील की है प्रेस वार्ता में पार्षद शिवसेवक सिंह पार्षद आनंद घिल्डियाल और वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट के के राय भी उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक ने किया रामबाग रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

प्रयागराज(आरएनएस)। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक सौम्या माथुर ने बुधवार को प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशन का जायजा लिया। महाकुंभ के मद्देनजर यहां पर चल रही तैयारियों को परखा। जीएम ने महाकुंभ को लेकर रेलवे की ओर से की जा रही तैयारियों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में जो यात्री आएंगे उन्हें रेलवे अब तक की सबसे बेहतर सुविधा देने का प्रयास कर रहा है। महाप्रबंधक ने कहा कि नवंबर के अंतिम या दिसंबर के शुरुआत तक सारे कार्य पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि गंगा के ऊपर बन रहा रेलवे का नया पुल दिसंबर तक शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए सीआरएस इंस्पेक्शन होना है कहा कि रेलवे स्टेशन पर काफी यात्री सुविधाएं बढ़ाई गई हैं।

प्रयागराज जंक्शन से रामबाग के बीच हुए रेल दोहरीकरण के बाद दोनों रेल ट्रैक पर ट्रेनों का आवागमन इसी माह शुरू हो जाएगा। कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) इस रेलमार्ग का सोमवार 21 अक्तूबर को निरीक्षण करेंगे। इस दौरान वह जहां एक ओर इस रेलखंड पर बिछे नए रेल ट्रैक का जायजा लेंगे तो वहीं दूसरी ओर प्रयागराज जंक्शन से रामबाग के बीच वह स्पीड ट्रायल भी लेंगे।रामबाग से प्रयागराज जंक्शन के बीच स्पीड ट्रायल होने के बाद दिसंबर माह के पहले सप्ताह में सीआरएस दारागंज को झूंसी से जोड़ने के लिए गंगा पर बनाए गए नए पुल का भी निरीक्षण करेंगे। यहां भी सुरक्षा से पहलुओं की तमाम जांच सीआरएस द्वारा की जाएगी। उनकी ओके के बाद इस नए पुल पर ट्रेनों का आवागमन शुरू हो जाएगा। बुधवार को प्रयागराज पहुंची पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक सौम्या माथुर ने इसकी पुष्टि भी की।उन्होंने कहा कि महाकुंभ को लेकर प्रयागराज रामबाग झूंसी रेलवे स्टेशन पर जो विकास कार्य चल रहे हैं वह सभी समय से चल रहे हैं। हमारी तैयारी है कि नवंबर के अंतिम या दिसंबर माह के पहले सप्ताह तक सारे कार्य समाप्त कर दिए जाए उन्होंने प्रयागराज रामबाग से प्रयागराज जंक्शन के बीच हुए दोहरीकरण और गंगा पर बने पुल पर सीआरएस निरीक्षण की बात भी कही। कहा कि उनके निरीक्षण के बाद गंगा पुल और इस रूट पर बिछाए गई नई रेल लाइन पर ट्रेनों का आवागमन शुरू कर दिया जाएगा।

आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से कराये अनुपालन- जिला निर्वाचन अधिकारी

प्रयागराज(आरएनएस)। जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में 256–फूलपुर विधानसभा उप निर्वाचन–2024 की निर्वाचन प्रक्रिया को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु तैयारियों के सम्बंध में नोडलध्सहायक नोडल अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन कार्य में लगे हुए सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी तन्मयता के साथ समय से सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारियों, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर वहां पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने मतदान कार्मिको का समय से प्रशिक्षण कराये जाने एवं मतदाता जागरूकता स्वीप कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से कराये जाने का निर्देश दिया है।बैठक में जिलाधिकारी ने मतदान एवं मतगण्ना कार्मिको की नियुक्ति, मतदान कार्मिको स्टैटिक मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, माइक्रो आब्जर्वर के प्रशिक्षण से सम्बंधित कार्यों, मास्टर ट्रेनर से सम्बंधित प्रशिक्षण कार्य, आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराने, पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल की व्यवस्था, वीडियोग्राफी सम्बंधी कार्य, पोलिंग पार्टी प्रशिक्षण स्थल पर आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित किए जाने का निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारीध्भारी अधिकारी मतदान कार्मिक गौरव कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती पूजा मिश्रा, अपर जिलाधिकारी नगर मदन कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विनय कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी नजूल प्रदीप कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी कुंवर पंकज, अपर जिलाधिकारी नागरिक आपूर्ति राजेश सिंह सहित अन्य नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महाकुम्भ 2025 रू भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे बोर्ड को 1600 कर्मचारियों की आवश्यकता

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज में 13 से 26 जनवरी 2025 तक आयोजित होने वाले महाकुंभ मेला 2025 के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा और भीड़ के प्रभावी प्रबंधन के लिए रेलवे को 1600 से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता है। रेलवे बोर्ड ने अन्य मंडलों को लिखित में यह सूचना दी है।

प्रयागराज और उसके आस पास के क्षेत्र दो रेलवे मंडल उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) और पूर्वोत्तर रेलवे (एनईआर) के अंतर्गत आते हैं। इसलिए रेलवे बोर्ड ने अन्य मंडल से महाकुंभ मेले के दौरान अतिरिक्त सहायता के लिए बुकिंग क्लर्क, वाणिज्यिक–सह–टिकट क्लर्क, वाणिज्यिक प्रबंधन निरीक्षक, सहायक वाणिज्यिक प्रबंधक जैसे कर्मचारियों को भेजने को कहा है। बोर्ड के पत्र के अनुसार, एनसीआर मंडल को 1471 अतिरिक्त कर्मचारियों और पांच अधिकारियों की आवश्यकता है, जबकि एनईआर मंडल को वाणिज्यिक विभाग से 270 कर्मचारियों और पांच अधिकारियों की आवश्यकता है।बोर्ड ने कहा कि छह स्नान दिवसों पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए इन दिनों 100 प्रतिशत कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। पत्र में कहा गया है कि क्षेत्रीय रेलवे, एनसीआर और एनईआर से सभी प्रयास और समन्वय की अपेक्षा की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई चूक नहीं हो और मेला सुचारू रूप से आयोजित हो सके।

समस्या से मिली निजात, तैयार हुआ छिवकी स्टेशन रोड

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज के दूसरे सबसे बड़े रेलवे स्टेशन छिवकी जाने आने वाले यात्रियों को अब परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से नैनी के मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग से छिवकी रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क बन कर तैयार हो चुकी है । लगभग पांच सौ मीटर लंबे सड़क जो कि दो लेन की है और इसके दोनों ओर पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ भी बनाया गया है। वहीं पूरे रास्ते रौशनी के लिए विद्युत कार्य भी पूरा हो चुका है ,दूधिया लाइट से यह सड़क शाम होते ही जगमगा उठेगी।आगामी महाकुंभ 2025 को देखते हुए लाखों तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए पीडीए की ओर से यह सड़क बन कर तैयार है जबकि इसके पहले छिवकी स्टेशन जाने – आने वाले यात्रियों के लिए यह रास्ता खासा मुश्किलों वाला था। महत्वपूर्ण सड़क होने के बावजूद सिंगल लेन का वह भी गढ्ढों और सड़क पर बहते गंदे पानी से होकर यात्रियों को गुजरने पर मजबूर होना पड़ता था।अब नई सड़क दो लेन की है जो 18 मीटर चौड़ी है , सड़क के दोनों ओर नाली बना है ताकि पानी सड़क पर नहीं बहे। आम दिनों में छिवकी रेलवे स्टेशन पर रोजाना पचास जोड़ी ट्रेनों रुकती है जिससे कि पंद्रह हजार से ज्यादा यात्री ट्रेन से उतरे और चढ़ते हैं ।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 17 अक्टूबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

वैश्विक दृष्टिकोण के साथ उद्देश्यपूर्ण शिक्षा की आवश्यकता - प्रो. गीता गाँधी किंगडन, प्रबन्धक, सी.एम.एस.

लखनऊ, 16 अक्टूबर। ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में युवा पीढ़ी के लिए उज्जवल भविष्य की अपार संभावनायें हैं, ऐसे में यह जरूरी है कि छात्रों को वैश्विक दृष्टिकोण के साथ उद्देश्यपूर्ण एवं स्किल बेस्ड शिक्षा प्रदान की जाये, जिससे कि युवा पीढ़ी के लिए वैश्विक सफलता का मार्ग प्रशस्त हो सके। यह विचार हैं सिटी मोन्टेसरी स्कूल की प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन के, जो आज नई दिल्ली में आयोजित इण्डिया ग्लोबल एलायन्स फोरम में प्रमुख

वक्ता के तौर पर बोल रही थीं। इण्डिया ग्लोबल एलायन्स फोरम का आयोजन आज नई दिल्ली के होटल ललित में कालेज बोर्ड, अमेरिका के तत्वावधान में किया गया, जिसमें देश–विदेश के कई प्रख्यात शिक्षाविद् ने प्रतिभाग किया।इस अवसर पर प्रो. किंगडन ने 'एक्सपैंडिंग एक्सेस टु रिगर – ए स्टूडेन्ट फर्स्ट एप्रोच' विषय पर बोलते हुए आगे कहा कि सिटी मोन्टेसरी स्कूल अपने छात्रों में वैश्विक दृष्टिकोण के विकास एवं उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु सदैव प्रयासरत है।

इण्डिया ग्लोबल एलायन्स फोरम के अन्तर्गत भारत समेत दक्षिण एवं मध्य एशिया के प्रमुख शिक्षाविद् ने एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर भावी पीढ़ी के उज्जवल भविष्य की संभावनाओं पर गंभीर विचार–विमर्श किया, जिससे कि स्कूली शिक्षा के उपरान्त कालेज की उच्चशिक्षा हेतु छात्रों को बेहतर तरीके से तैयार किया जा सके। परिचर्चा में एरियल लीताओ लियोनेली, एसोसिएट डायरेक्टर, मैसाचुसेट्स इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका, रयान हारग्रेव्स, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, यूनिवर्सिटी ऑफ कनाडा, कनाडा, तरुण आनंद, चेयरमैन, ए.आई. यूनिवर्सिटी, भारत, रोशन वॉल्करली, यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज, यूनाइटेड किंगडम, डा. अनन्या मुखर्जी, वाइस–चांसलर, शिव नादर यूनिवर्सिटी, भारत समेत अनेक मूर्धन्य विद्वजनों व शिक्षाविदों ने सारगर्भित विचार व्यक्त किये।कालेज बोर्ड अमेरिका की एक शैक्षिक संस्था है जो कई देशों में सैट, एपी एवं पीसैट व अन्य अन्तर्राष्ट्रीय परीक्षण कराती है, जिनके अंको के आधार पर छात्रों के दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में उच्चशिक्षा का अवसर मिलता है।

कार्तिक मास में दीपदान कर भगवान की विशेष कृपा प्राप्त करें

लखनऊ रूइस्कॉन मंदिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी ने बताया कि दिनांकरू 17 अक्टूबर 2024 से कार्तिक मास प्रारम्भ हो रहा हैं जो 15 नवंबर 2024 तक रहेगा स वर्ष के 12 महीनों मे कार्तिक मास भगवान को सर्वाधिक प्रिय है। इस महीने

मे यदि कोई भगवान विष्णु की थोड़ी सी भी पूजा करता है तो कार्तिक मास उसे भगवान के दिव्य धाम में निवास प्रदान करता है सकार्तिक मास मे दीपदान का विशेष महत्त्व है, कार्तिक महीने मे मात्र एक दीपक अर्पित करने से भगवान कृष्ण प्रसन्न हो जाते हैं सकार्तिक मास में भगवान हरि की महिमाओं का श्रवण करने वाला लाखों जन्मों के कष्ट से मुक्त हो जाता है सकार्तिक महीने मे जो व्यक्ति स्नान करके रात्रि जागरण करता है, दीपक अर्पित करता है और तुलसी वन की रक्षा करता है वह भगवान विष्णु के समान आध्यात्मिक शरीर प्राप्त करता है समंदिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी ने बताया कि हमें अपनी सामर्थ्य के अनुसार कार्तिक मास मे उत्सवों को मनाते हुए भक्ति करनी चाहिए स साथ ही साथ अपने घरों पर दीपदान एवं भगवत कथा का आयोजन कराएं ।

तीरंदाजी के विजेताओं ने की जिलाधिकारी महोदय से भेंट, जिलाधिकारी ने दी शुभकामनाऐं

गाजियाबाद। महामाया स्पोर्ट स्टेडियम गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ एवं गाजियाबाद आर्चेरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित 11वीं उत्तर प्रदेश सीनियर प्रादेशिक तीरंदाजी प्रतियोगिताकृ 2024 के सकुशल सम्पन्न कराई गई। इसी के क्रम में श्री अनिल

शर्मा प्रेजीडेंट आर्चेरी गाजियाबाद के नेतृत्व में तीरंदाजी प्रतियोगिता के स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक विजेताओं ने जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह से शिष्टाचार भेंट की। जिलाधिकारी महोदय ने सभी विजेता खिलाड़ियों से वार्ता की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें जीत की बधाई देते हुए शुभकामनाऐं दी। इस मौके पर विजेताओं में प्रवीन कुमार, साक्षी चौधरी, रिशा राठी, अन्नया पाण्डेय व वंशिका रावल रहे। साथ ही श्री वेद कुमार (राज्य स्तरीय लक्ष्मण अवार्ड पुरस्कृत) संयुक्त सचिव उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ, श्री शघकिल सैफी कोच आर्चेरी, श्रीमती सैफाली सिंह कोच आर्चेरी गर्ल्स, श्रीमती रीता तिवारी स्पोर्टस टीचर, श्री विवेक रावल मैनेजर गाजियाबाद आर्चेरी एसोसिएश एवं श्री धमेन्द्र राठी भी उपस्थित रहे।

हम सभी की जिम्मेदारी है शांतिपूर्ण मतदान कराना और मतदान के प्रति मतदाताओं में जागरूकता लाना - श्री इन्द्र विक्रम सिंह

गाजियाबाद। उप निर्वाचन विधानसभा क्षेत्र 56–गाजियाबाद–2024 के निर्वाचन की अधिसूचना कार्यक्रम के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा प्रेस कान्फ्रेंस कर निर्वाचन की जानकारी दी गयी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि निर्वाचन की अधिसूचना जारी करने का दिनांक 18–10–2024, नाम निर्देशन दाखिल करने का अंतिम दिनांक 25–10–2024, नाम निर्देशन की जाँच हेतु अन्तिम दिनांक 28–10–2024, नाम वापसी हेतु अन्तिम दिनांक 30–10–2024, मतदान का दिनांक 13–11–2024, मतगणना का दिनांक 23–11–2024 व दिनांक जिसके पूर्व निर्वाचन पूर्ण करा लिया जायेगा 25–11–2024 है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम 56 –गाजियाबाद है। रिटर्निंग आफिसर डॉ० संतोष कुमार उपाध्याय, नगर मजिस्ट्रेट, गाजियाबाद हैं। नामांकन स्थल कक्ष संख्या 127, न्यायालय अपर जिलाधिकारी नगर, गाजियाबाद होगा। 56–गाजियाबाद विधानसभ क्षेत्र में अवस्थित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में तैनात सहायक रिटर्निंग कल्याण अधिकारी, गाजियाबाद, नगर शिक्षा अधिकारी विजयनगर जोन हैं।56– गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र में मतदान केन्द्र 119 व मतदेय स्थल 506 हैं। 56– विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत 18–19 मतदाता 5449, 85 मतदाता 1324 व सर्विस मतदाता 240 हैं। दिव्यांग मतदाता के रूप में चिन्हित मतदाता 2388 हैं। विधानसभा क्षेत्र में 01 महिला बूथ, 01 युवा बूथ की स्थापना

आफिसर 04 है जो जिला समाज कल्याण अधिकारी गाजियाबाद, नायब तहसीलदार गाजियाबाद, पिछडा वर्ग दिनांक 15–10–2024 के आधार पर मतदाताओं में पुरूष 254017, महिला 207314, अन्य 29, कुल 461360, जेण्डर रेशियों 816, की गयी है जिस पर मतदान स्टाफ के रूप में महिलाएं तथा युवा कर्मचारी ही नियुक्त रहेंगें। 56–गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र के उप निर्वाचन 2024 हेतु मतदान पार्टियों की रवानगी रामलीला मैदान से की जायेगी। उप निर्वाचन 2024 के मतगणना सम्बन्धी कार्य नवीन मण्डी स्थल, हापुड रोड, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद में किया जायेगा। निर्वाचन सम्बन्धी कार्यों के संपादन हेतु नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी गयी है, इसके साथ ही उप निर्वाचन–2024 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण हेतु विभिन्न टीमों का गठन किया गया है। निर्वाचन कार्यक्रम जारी होने के साथ ही जनपद में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है। आदर्श आचार संहिता को प्रभावी रूप से लागू किये जाने हेतु जनपद के अपर जिलाधिकारी (नगर) श्री गम्भीर सिंह को आदर्श आचार संहिता का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। आदर्श आचार संहिता प्रभावी रहने के दौरान चुनाव प्रचार भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार रिटर्निंग आफिसर से पूर्व अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त किया जायेगा।

इस दौरान मीडिया बंधुओं द्वारा आदर्श आचार संहिता एवं निर्वाचन से सम्बंधित अनेक सवाल किये गये, जिनका जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सन्तोषजनक उत्तर दिये गये। इसके साथ ही जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह ने मीडिया बन्धुओं से आग्रह किया है कि वह निर्वाचन कार्य को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने और अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक कराने हेतु सहयोग प्रदान करें। प्रेस कांफ्रेस में मुख्य रूप से एडीएम ई श्री रणविजय सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, जिला सूचना अधिकारी श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में मीडिय बन्धु उपस्थित रहे।

सात सूत्रीय मांगों को लेकर तिरंगा महाराज के नेतृत्व मे किसान बैठे धरने पर

राजस्व विभाग पर पट्टा आवंटन पत्रावली गायब करने का लगाया गंभीर आरोप सौंपा ज्ञापन

लखनऊ। बीकेटीलखनऊ जनपद की अपने कारनामों को लेकर बहुचर्चित बीकेटी तहसील में दीपक शुक्ला उर्फ तिरंगा महाराज के नेतृत्व में तमाम किसान अपनी सात सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान जमकर भ्रष्ट प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगे

किसानों से बात करने पहुंचे उप जिलाधिकारी सतीश चंद्र त्रिपाठी को किसानों ने ज्ञापन देने से मना कर दिया पुलिस प्रशासन के समझाने पर मुकदमा लिखने की शर्त पर पुलिस को ज्ञापन दे धरना समाप्त किया गयाधरने पर बैठी बुजुर्ग महिलाओं के चेहरो पर निराशा का माहौल साफ साफ दिखाई दे रहा था।दीपक शुक्ला व मौजूद किसानों ने बताया कि वर्ष 2002 में बहन मायावती की सरकार में खुली बैठक कर राजापुर सुल्तानपुर व बहादुरपुर के किसानों को कृषि कार्य हेतु पट्टे आवंटित किए गए थे। तब से किसान जमीन पर काबिज होकर कृषि कार्य वगैरह करते चले आ रहे हैं। लेकिन किसानों को बेदखल करने की नीयत से राजस्व विभाग द्वारा पट्टा आवंटन पत्रावलियां तहसील मुख्यालय से गायब कर दी गई हैं व दर्जनों किसानों पर धारा 38 का मुकदमा भी कर दिया है जो कि पूरी तरह गलत है। तिरंगा महाराज ने आरोप लगाया कि सरकार को बदनाम करने की नीयत से अधिकारियों द्वारा यह कृत्य किया जा रहा है जिससे आम जनमानस में सरकार के प्रति असंतोष पैदा हो। तिरंगा महाराज ने बताया कि नीलांश वाटर पार्क प्रबंधन ने किसानों, ग्राम समाज, तालाब सहित मां गोमती पर अतिक्रमण कर रखा है, कब्जे के तमाम साक्ष्य होते हुए भी प्रशासन नीलांश वाटर पार्क प्रबंधन पर कार्रवाई करने से कतरा रहा है। तिरंगा महाराज ने कहा कि नीलांश वाटर पार्क में तमाम बड़े अधिकारियों के विला व कोठियां बनी हुई हैं व तमाम सफेदपोशों का पैसा लगा हुआ है। रेलवे स्टेशन बहाली, कन्या डिग्री कालेज सहित सात सूत्रीय मांगों को लेकर किसानों ने उपजिलाधिकारी पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए सीधा उपजिलाधिकारी को ज्ञापन न सौंपते हुए इंस्पेक्टर बीकेटी के मार्फत जिलाधिकारी व उपजिलाधिकारी को मांगपत्र सौंपा। किसानों ने चेताया कि अगर जल्द उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगामी धरने को और जोरदार बनाते हुए पैदल मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करेंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

–संविधान बचाओ संकल्प सम्मेलन के जरिए कार्यकर्ताओं में भरा जोश

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। कांग्रेस पार्टी ने मिल्कीपुर पेट्रोल पंप तिराहे पर संविधान बचाओ संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया जिसके मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह रहे।उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि पूरा देश स्वः इंदिरा गांधी को अपने मां के रूप में स्वीकारता है, उन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी उन्हें हम राष्ट्रमाता से भी बढ़ कर मानते हैं। उन्होंने कहा कि जब यह महसूस हुआ की पंचायत से संसद तक सरकार आपकी आवाज को दबा रही है तो देश की जितनी भी लोकतंत्र पर विश्वास रखने वाली छोटी बड़ी राष्ट्रीय क्षेत्रीय प्रांतीय पार्टीयां थी सब एकत्र हुई और इंडिया गठबंधन बनाया जिसको कांग्रेस ने आगे बढ़ कर सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिका अर्जुन खड़गे के नेतृत्व में सभी के सहयोग से इंडिया गठबंधन बना और हम चाहते हैं की उपचुनाव की सभी 10 सीटों पर इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ें और भारी मतों से विजई हो,2024 का उपचुनाव 2027के चुनाव का एक संकेत देगा पूरे देश को एक संदेश देगा,यह चुनाव उस सोच का है जो संदेश 2024 के लोक सभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता ने पूरे देश को दिया है ।हम सभी एक जुट होकर असुरी शक्तियां को जवाब देगे जो राजनीतिक मुखौटा पहन कर जाति व धर्म के नाम पर लड़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा की हमारा गठबंधन एक मजबूत चुनाव लड़ेगा। संविधान की रक्षा कांग्रेस ने की हैं और आने वाले समय में भी कांग्रेस संविधान की रक्षा करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा के लोग कहते है की कांग्रेस पार्टी के लोग अयोध्या नहीं आते लेकिन मैं उनको बताना चाहता हूं की मंकर संक्रांति के दिन सरयू में स्नान भी किया और दर्शन भी किया हनुमान गढ़ी व रामलला का और आज शरद पुर्णिमा के दिन भी अयोध्या आये और रामलला का दर्शन भी किया और हनुमान जी का भी आशीर्वाद लिया।आज प्रदेश में हमारा आठवा संविधान बचाओ संकल्प सम्मेलन हैं और अभी दो और होने हैं एक कल मुरादाबाद में है और गाजियाबाद में भी कार्यक्रम किया जायेगा।पूरी ताकत के साथ हमारे कांग्रेस के कार्यकर्ता लगे हैं। उन्होंने पूर्व सांसद अयोध्या का बिना नाम लिए कहां की भाजपा के लोग चुनाव में कह रहे थे हमें 400 सीट दीजिए हम संविधान को बदल देंगे। उन्होंने आरोप लगाया की अयोध्या में बिटिया के साथ रेप हुआ था उसमें भाजपा के एक मंडल अध्यक्ष का बेटा शामिल था। प्रशासन ने घटना को महीनो दबा कर रखा,जब मीडिया और कांग्रेस के साथियों ने मामले को उठाया तो मुकदमा दर्ज हुआ और मैं स्वयं पीड़िता के घर गया,और आर्थिक सहायता अभी की, उन्होंने ने कहा की लखनऊ में एक 13 साल की बच्ची के साथ रेप हुआ और जब हम मिलने गये तो दरवाजा खींचकर बंद कर दिया। काफी संघर्ष के बाद हमें अस्पताल में जाने दिया गया। और कांग्रेस पार्टी ने तत्काल पीड़िता के परिवार को 50 हजार की आर्थिक मदद दी, हमारी पार्टी गरीबों के साथ खड़ी है, हम अत्याचार नहीं होने देंगे। अयोध्या में जितना विकास हो रहा है सारा कार्य गुजरात के लोग कर रहे हैं अयोध्या के लोगों का मकान तोड़ा गया जमीने हाड़पी गई दुकानें तोड़ी गयी, और अयोध्या में अमित शाह का बेटा होटल बनवा रहा है। सेना की जमीन भी बेच दी गयी और अडानी को दे दी गयी और जय शाह अरबों रूपये का होटल बना रहा है। गुजरात के लोगों का अयोध्या पर कब्जा हो गया है। प्रसाद जो बाटा जा रहा है वह भी गुजरात की कंपनी का है। बनारस में हमने लोकसभा चुनाव में मोदी के छक्के छुड़ा दिए, अयोध्या के लोगों ने यहां से भाजपा को हरा दिया बनारस में भी हमने छह राउंड मोदी जी को पछाड़ दिया था थोड़ी सी चुप रह गई थी। अयोध्या के लोगों ने पूरे देश को बताया कि अन्याय और अत्याचार अब चलने वाला नहीं है। बनारस के लोग जो बाबा विश्वनाथ का प्रसाद बनाते थे और अपना जीवन करते थे वह भी उनसे छीन लिया गया,और अब बाबा विश्वनाथ का प्रसाद गुजरात की अमूल कंपनी बनाएगी। रोजगार काशी के लोगों को छीन लिया गया। महिलाओं पर बढ़ रहे अपराध को लेकर प्रदेश सरकार को घेरा।

जिला मजिस्ट्रेट ने दी निर्वाचन में ''क्या करना है और क्या नहीं करना है'' से सम्बंधित पूर्ण जानकारी

गाजियाबाद। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 56–गाजियाबाद विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन–2024 के सम्बन्ध में जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी, गाजियाबाद श्री इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीयध्राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आहूत की गयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी, गाजियाबाद श्री इन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 56–गाजियाबाद विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन–2024 होने हैं। जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपस्थित गणमान्यों को निर्वाचन की अधिसूचना, रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसरों के नाम, पदनाम, मोबाइल नम्बर सहित उनके द्वारा कराये जाने वाली गतिविधियोंध्कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी महोदय ने मतदाताओं एवं मतदान केन्द्रोंध्मतदेय स्थलों सहित निर्वाचन से सम्बंधित पूर्ण जानकारी से गणमान्यों को अवगत कराया।

जिलाधिकारी ने निर्वाचन की अधिसूचना, नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु ऑनलाइन मोड की सुविधाएं, नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न कराने का स्थान, नामांकन की जमानत धनराशि, उम्मीदवार की अर्हताएं, नामकृनिर्देशन पत्र एवं प्रस्तावक, राजनैतिक दलों द्वारा चुने जाने वाले अभ्यर्थियों के अपराधिक विविरण का प्रचारकृप्रसार कराये जाने, बैंक अकाउन्ट खोला जाना, निर्वाचन व्यय लेखों का रखकृरखाव, आदर्श आचार संहिता, सम्पत्ति विरूपण, पम्पलेट व पोस्टर छपाई, अस्थाई प्रचार कार्यालय, एसएसएसकृसोशल मीडिया, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर कार्यवाही, जूलूसकृरैलीध्जनसभाएं, लाउडस्पीकर का उपयोग, शस्त्रों पर प्रतिबन्ध, सुरक्षा प्राप्त महानुभावों को निर्वाचन अभिकर्ताकृकिये जाने पर प्रतिबन्धरूमतगणना अभिकर्ता नियुक्त, प्रचार अवधि समाप्त होने के पश्चात राजनैतिक महानुभावों की उपस्थिति पर प्रतिबन्ध, मतदान दिवस के दौरान कैम्प, प्रचार वाहन आदि की अनुमति, वरिष्ठ नागरिक (85)ध्पीडब्लूडी एवं आवश्यक सेवाओं में नियोजित वर्ग के व्यक्तियों के लिए डाक मतपत्र की सुविधा सहित निर्वाचन में श्श्क्या करना है और क्या नहीं करना हैश्श से सम्बंधित पूर्ण जानकारी दी गई।

बैठक में एडीएम ई श्री रणविजय सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, जिला सूचना अधिकारी श्री योगेन्द्र प्रतात सिंह सहित राजनैघतिक पार्टियों से श्री सुभाष चन्द्र शर्मा भाजपा, श्री दयाराम सैन बीएसपी, श्री पंकज शर्मा बीएसपी, श्री प्रदीप कुमार बीएसपी, श्री मनोज कुमार बीएसपी, श्री लेखराज सिंह बीएसपी, श्री अतुल शर्मा कांग्रेस, श्री नरेन्द्र कांग्रेस सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

समिति के गोद लिये मेधावी कुलदीप ने जेआरएफ परीक्षा की उत्तीर्ण

सुल्तानपुर(आरएनएस)। मानव–निर्माण के उद्देश्य के साथ लोक सरोकार समिति का गठन 2012 में किया गया। समिति के सचिव डॉ धर्मपाल सिंह ने बताया कि समिति इस समय दो अभावग्रस्त परिवारों तथा दो मेधावी विद्यार्थियों को गोद लेकर उन पर होने वाला समस्त व्यय कर रही है। समिति कोई सरकारी अनुदान न लेने के लिए कृत संकल्प है। समिति ने 2015 में सुलतानपुर की जयसिंहपुर तहसील के केवटहिया गाँव के कुलदीप निषाद को गोद लिया। उस समय वह सुभाष इण्टरमीडिएट कॉलेज, पलिया (सुलतानपुर) में कक्षा–08 में पढ़ रहा था। समिति ने 2014 में एक ऐसे विद्यार्थी को गोद लेने का प्रस्ताव किया था जो मेधावी हो और अभावग्रस्त हो। इसके लिए 25 इण्टरमीडिएट कॉलेजों के प्राचार्यों को इस आशय का पत्र लिखा गया था कि कक्षा–08 में अध्ययनरत विद्यार्थियों में से दो विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए राधारानी परिसर, सीताकुण्ड भेजें। हिन्दी, अँगरेजी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान तथा गणित विषयों की परीक्षा ली गई, लेकिन कोई विद्यार्थी अपेक्षित 60□ प्राप्त न कर सका। 60□ या उससे अधिक अंक पाने पर ही एक विद्यार्थी का चयन होना था। फिर समिति ने विद्यार्थी को खोजने का निर्णय किया। के0 एन0 आइ0, सुलतानपुर के अँगरेजी–विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर विजयप्रताप सिंह ने बताया कि सुभाष इण्टरमीडिएट कॉलेज, पलिया में एक छात्र है, जो मेधावी है। उसे लेकर उसी कॉलेज के एक अध्यापक श्री सत्येन्द्रकुमार सिंह (अब समिति के कोषाध्यक्ष) राधारानी परिसर आए। परीक्षा ली गई और कुलदीप ने 66□ अंक प्राप्त किया। उसके परिवार की आर्थिक स्थिति का आकलन करने के लिए मैं सत्येन्द्रकुमार सिंह के साथ उसके गाँव गया। उसकी आर्थिक स्थिति का सत्यापन हो गया और उसे मार्च 2015 में समिति ने गोद ले लिया।

सुरेश चंद्र तिवारी पुत्र भगवंता तिवारी
ग्राम - शकरदेल्हा (छतौली)
रंग - सांवला
लंबाई - 6 फिट
उम्र - 55 वर्ष
मो०- 8080195311
मार्च 1999 से लापता है जिन किसी को इनके बारे में जानकारी प्राप्त हो ऊपर दिए गए पते पर सूचित करें । सूचना देने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाएगा। सूचना देने वाले व्यक्ति की माहिती कृपा होगी।

संपादकीय

क्वाड के गठन का प्रस्ताव

दुनिया क्वॉड को इसी रूप में जानती है कि यह इस समय अमेरिका की तरफ से चीन को घेरने के लिए बनाए जा रहे अनेक समूहों में से एक है। इसलिए इशिबा ने जो कहा, उससे भारत के अलावा किसी को परेशानी नहीं हुई है।जापान के नए प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा चीन के प्रति सख्त रुख के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने अपनी विदेश संबंधी प्राथमिकताएं वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक– हडसन इंस्टिट्यूट द्वारा प्रकाशित एक लेख में बताई। इसमें उन्होंने चीन का मुकाबला करने के लिए एशियाई नाटो बनाने का आह्वान किया। इशिबा ने कहा कि एशियाई नाटो बनाने की जरूरत इस तथ्य से उपजी है कि अमेरिका की ताकत में तुलनात्मक कमी आई है। तो उन्होंने सुझाव दिया कि चार देशों– अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत– के समूह क्वॉड को एशियाई नाटो की भूमिका ग्रहण करनी चाहिए। इस बयान से भारत असहज हुआ है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस पर कहा कि भारत ष्एशियाई नाटोष् का समर्थन नहीं करता। वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत जापान की तरह सैन्य गठबंधनों पर निर्भर नहीं है और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए उसकी अपनी अलग रणनीति है। कहा– ष्हम वैसे किसी रणनीतिक ढांचे के बारे में नहीं सोच रहे हैं। क्वॉड के गठन का प्रस्ताव मनमोहन सिंह सरकार के जमाने में ही आया था। लेकिन भारत ने ऐसे किसी समूह में शामिल होने से इनकार किया, जिसकी स्पष्ट पहचान किसी अन्य देश (यानी चीन) के विरुद्ध हो। नरेंद्र मोदी सरकार ने इस नीति को बदल कर क्वॉड का सदस्य बनने का निर्णय लिया। लेकिन तब से वह यह कहने में काफी ऊर्जा लगाती रही है कि यह समूह किसी देश के खिलाफ नहीं है, बल्कि इसका सकारात्मक एजेंडा है। कोरोना महामारी के दौर में ऐसा एजेंडा दिखाने के लिए वैक्सीन सहयोग की बात प्रचारित की गई।लेकिन बाकी तीन देशों की ऐसी कोशिश नहीं रही है। दुनिया क्वॉड को इसी रूप में जानती है कि यह इस समय अमेरिका की तरफ से चीन को घेरने के लिए बनाए जा रहे अनेक समूहों में से एक है। इसलिए इशिबा ने जो कहा, उससे भारत के अलावा किसी को परेशानी नहीं हुई है। बल्कि सवाल यह उठा है कि भारत ने खुद को अमेरिका की एशिया–प्रशांत रणनीति से संबंधित किया है, तो फिर यह कहने से उसे गुरेज क्यों है?

भारत का कार्बन बाजार उत्सर्जन से निपटने और हरित प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए नई रूपरेखा'

भारत ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने और अपने महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, दो आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए हैं, जो भारतीय कार्बन बाजार (आईसीएम) के भविष्य को आकार देंगे। ये अनुपालन व्यवस्था के लिए विस्तृत प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियों के लिए मान्यता प्रक्रिया और पात्रता मानदंड हैं। आशा है कि वे मिलकर कार्बन उत्सर्जन की मात्रा निर्धारित करने और कार्बन क्रेडिट के व्यापार को सुविधाजनक बनाने के भारत के प्रयासों को उत्प्रेरित करेंगे, जिससे देश अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को अपनाएगा।

भारत की जलवायु रणनीति, जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) में उल्लिखित है। भारत ने न केवल इसे पूरा किया है बल्कि अपने कई लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले ही पूरा कर लिया है। वर्ष 2016 में हस्ताक्षरित, पेरिस समझौते का उद्देश्य सदी के अंत तक वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे सीमित करना था। भारत ने शुरू में वर्ष 2005 के स्तर से वर्ष 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 33–35 प्रतिशत तक कम करने का वादा किया था। हालाँकि, भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए इस लक्ष्य को समय से पहले ही प्राप्त कर लिया। अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए, 2021 में ग्लासगो में पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी–26) में, भारत ने और भी अधिक आक्रामक लक्ष्य निर्धारित किए। इसने वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने, वर्ष 2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने और उसी समय सीमा के भीतर गैर–जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी 50 प्रतिशत बिजली उत्पन्न करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इनमें से कुछ प्रमुख उपलब्धियां तय समय से पहले ही हासिल करके, भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयास में नेतृत्व का प्रदर्शन किया है।

लेकिन हम वहां कैसे पहुंचे? यहीं पर भारतीय कार्बन बाजार (आईसीएम) आता है। विचार सरल हैरू यदि कोई कंपनी अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करती है, तो वह कार्बन क्रेडिट नामक कुछ अर्जित करती है, जिसे वह अन्य कंपनियों को बेच सकती है जो अपने उत्सर्जन को कम करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यह एक पुरस्कार प्रणाली की तरह है – जो कंपनियाँ पर्यावरण के लिए बेहतर काम करती हैं वे पैसा कमा सकती हैं, जबकि जिन्हें सुधार के लिए अधिक समय की आवश्यकता है वे अपने अतिरिक्त उत्सर्जन की भरपाई के लिए क्रेडिट खरीद सकती हैं।

भारतीय कार्बन बाजार को एक व्यापक और पारदर्शी प्रणाली की आवश्यकता है जो आर्थिक विकास को गति देते हुए डीकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा दे सके। भारतीय कार्बन बाजार, उत्सर्जन मूल्य निर्धारण पर बल देने के साथ, इस संतुलन को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करता है। कंपनियों को कार्बन क्रेडिट का व्यापार करने की अनुमति देकर, भारत का लक्ष्य सार्वजनिक और निजी दोनों हितधारकों को अपने कार्बन उत्सर्जन को सक्रिय रूप से कम करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे देश को लागत प्रभावी और बडे पैमाने पर डीकार्बोनाइज करने में सक्षम बनाया जा सके।भारतीय कार्बन बाजार ढांचे का निर्माण भारतीय कार्बन बाजार की नींव वर्ष 2022 में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 में संशोधन के साथ रखी गई थी, जिसने सरकार को कार्बन क्रेडिट व्यापार योजना (सीसीटीएस) स्थापित करने का अधिकार दिया। यह योजना भारत को वैश्विक कार्बन बाजार प्रथाओं के साथ जोड कर कार्बन व्यापार को संचालित करने के लिए आवश्यक नियामक संरचना प्रदान करती है। सीसीटीएस, जून 2023 में पेश किया गया और दिसंबर 2023 में और संशोधित किया गया, जो दो प्रमुख व्यवस्थाओंरू अनुपालन और ऑफसेट के माध्यम से कार्बन व्यापार के लिए एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करता है।

अनुपालन व्यवस्था उन उद्योगों और क्षेत्रों को लक्षित करता है जिन्हें ष्बाध्य संस्थाओंष् के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन संस्थाओं को सरकार द्वारा निर्धारित विशिष्ट ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता (जीईआई) लक्ष्यों को पूरा करना आवश्यक है। यदि कोई बाध्य इकाई अपने उत्सर्जन को निर्धारित लक्ष्य से कम कर देती है, तो उसे कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जिसका ट्रेडिंग एक्सचेंज पर कारोबार किया जा सकता है। इसके विपरीत, जो संस्थाएँ अपने लक्ष्य को पूरा करने में विफल रहती हैं, उन्हें अपने अतिरिक्त उत्सर्जन की भरपाई के लिए क्रेडिट खरीदना होगा। यह बाजार–संचालित व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि कंपनियों को उत्सर्जन में कटौती करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, जिससे यह भारत के लिए अपनी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए एक आवश्यक उपकरण बन सके।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षीय यात्रा पर एक नजर

डा. हेडगेवार ने संगठन को देश की राष्ट्रीय आवश्यकता कहा था। उन्होंने कोलकाता में क्रांतिकारियों और नागपुर में कांग्रेस के साथ काम कियाय पर संघ स्थापना के बाद पूरी शक्ति यहीं लगा दी। इसलिए पहले 50 साल संघ ने केवल संगठन किया।2025 की विजयादशमी पर संघ सौवें वर्ष में पहुंच रहा है। ऐसे में इस यात्रा के कुछ पड़ावों पर नजर डालना उचित होगा।डा. हेडगेवार ने संगठन को देश की राष्ट्रीय आवश्यकता कहा था। उन्होंने कोलकाता में क्रांतिकारियों और नागपुर में कांग्रेस के साथ काम कियाय पर संघ स्थापना के बाद पूरी शक्ति यहीं लगा दी। इसलिए पहले 50 साल संघ ने केवल संगठन किया। यद्यपि अन्य बहुत कुछ भी शीर्ष नेतृत्व के मन में था। दत्तोपंत ठेंगड़ी इसे श्प्रोगेसिव अनफोल्डमेंटश कहते थे। इसके बल पर ही संघ ने हर संकट को झेला। इस पहले दौर में स्वयंसेवकों ने कई संस्थाएं बनायीं। इनमें राष्ट्र सेविका समिति (1936), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (1949), वनवासी कल्याण आश्रम (1952), भारतीय मजदूर संघ (1955), विश्व हिन्दू परिषद (1964), भारतीय जनसंघध्भारतीय जनता पार्टी (1951), सरस्वती शिशु मंदिरध्विद्या भारती (1952) आदि प्रमुख हैं। यद्यपि इनके संविधान, कोष, पदाधिकारी, कार्यक्रम आदि अलग हैंय पर प्रेरणा संघ की ही है।संघ पर प्रतिबंधः संघ पर 1932 और 1940 में शासन ने आंशिक प्रतिबंध लगायेय पर वे ज्यादा नहीं चले। 1948 में गांधी जी की हत्या के बाद फिर प्रतिबंध लगा। तब शासन, प्रशासन और जनता संघ के विरोध में थी। प्रचार माध्यम सरकार के पास थे। संघ के पास अपनी बात कहने का कोई साधन नहीं था। फिर भी संघ ने सत्याग्रह से सरकार को झुका दिया। पर फिर शाखा के साथ ही समविचारी संगठनों का विस्तार और प्रभाव बढ़ने लगा। इसीलिए जब 1975 में इंदिरा गांधी ने संघ पर प्रतिबंध लगाया, तो जनता संघ के साथ रही। संघ ने फिर सत्याग्रह किया। जनता डर से चुप थी, पर चुनाव में उसका आक्रोश फूट पड़ा और इंदिरा गांधी हार गयी। यह संगठन के बल पर ही हुआ। समाज में बढ़ती स्वीकार्यता का लाभ उठाकर संघ ने संगठन को फैलाया तथा स्वयंसेवकों ने अनेक नयी संस्थाएं बनायीं।1992 में बाबरी विध्वंस के बाद सरकार ने फिर प्रतिबंध लगाया, जिसे न्यायालय ने ही खारिज कर दिया। 1975 और 1992 के प्रतिबंध से संघ के संगठन और प्रभाव में वृद्धि हुई। उसका नाम दुनिया भर में फैल गया।1977 के बादः इसे हम दूसरा 50 वर्षीय कालखंड कह सकते हैं। संघ ने अनुभव किया कि हमारा काम समाज के निर्धन वर्ग में नहीं है। इनकी पहली जरूरत रोटी, कपड़ा और मकान है। इस कारण लोग ध र्मांतरण भी कर लेते हैं। मीनाक्षीपुरम् कांड इसका उदाहरण था। अतः सेवा के क्षेत्र में प्रवेश किया गया। 1989 में डा. हेडगेवार की जन्मशती पर श्सेवा निधिश एकत्र कर हजारों पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनाये गये। निर्धन बस्तियों को श्सेवा बस्तीश कहकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के हजारों छोटे प्रकल्प शुरू किये। अब इनकी संख्या डेढ़ लाख से भी अधिक है। अब सैकड़ों बड़े प्रकल्प भी हैं, पर मुख्य ध्यान छोटी इकाइयों पर ही है। केवल संघ ही नहीं, तो सभी समविचारी संस्थाएं सेवा कार्य कर रही हैं। यहां से पुरुष और महिला कार्यकर्ता भी आगे आ रहे हैं। कुछ चुनौतियांः 1947 में देश विभाजन एक बड़ी चुनौती थी। इस दौरान पंजाब और सिंध ा में संघ ने सीमित शक्ति के बावजूद लाखों हिन्दुओं की रक्षा की, महिलाओं की लाज बचाई और उनका पुनर्स्थापन किया। बंगाल में शक्ति कम होने से यह प्रभावी ढंग से नहीं हो सका। 1950 में प्रतिबंध हटने पर कुछ लोगों का विचार था कि निर्दोष होते हुए भी संसद या किसी विधानसभा में कोई हमारे पक्ष में नहीं बोला। अतः हमें शाखा छोड़कर केवल राजनीति करनी चाहिएय पर सरसंघचालक श्री गुरुजी नहीं माने। उन्होंने कहा कि राजनीति जरूरी होते हुए भी सब कुछ नहीं है। इससे कई बड़े लोग नाराज हो गये। यद्यपि संघ ने फिर राजनीति में भी कई लोगों को भेजा, पार्टी भी बनायी, पर राजनेताओं और दलों का जो हाल है, उससे श्री गुरुजी की बात प्रमाणित हो रही है। संगठन होने के कारण संघ तथा संघ प्रेरित संस्थाएं लगातार नयी टीम बनाकर पुरानों के संरक्षण में उन्हें पदस्थापित करते रहते हैं, पर 1968 में भारतीय जनसंघ को एक झटका लगा। दीनदयाल जी का निधन हो चुका था। जनसंघ वाले अटल बिहारी वाजपेयी को आगे लाना चाहते थे। इससे रुष्ट होकर बलराज मधोक ने पार्टी छोड़ दी, पर जल्दी ही वे समझ गये कि कुछ लोग कुछ समय के लिए कोई संस्था तो चला सकते हैं, पर संगठन नहीं। अतः वे शांत होकर फिर संघ के कार्यक्रमों में आने लगे। यद्यपि उनके अलगाव से श्री गुरुजी सहित सब स्वयंसेवकों को दुख हुआ, पर संघ में व्यक्ति नहीं, संगठन महत्वपूर्ण है। ऐसी ही एक चुनौती 2018 में विश्व हिन्दू परिषद में आयी। एक प्रभावी नेता ने अपनी नयी संस्था बना ली। यहां भी टकराव व्यक्ति और संगठन में ही था। आशा है वे भी शीघ्र ही मुख्य धारा में लौट आएंगे। अब आगे की ओरः कभी श्संगठन के लिए संगठनश की बात कही जाती थी, पर 50 साल संगठन और 50 साल विस्तार के बाद अब संघ समाज परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। जहां संघ का काम पुराना है, वहां परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और स्थानीय वस्तुओं का प्रयोग, सामाजिक समरसता, एक मंदिर, एक शमशान, एक जलस्रोत, नागरिक कानूनों के पालन आदि का आग्रह किया जा रहा है। संघ के प्रयास से इस दिशा में भी निःसंदेह सुधार होगा। समाज में हजारों संस्थाएं और लोग अच्छे काम कर रहे हैं। संघ उन्हें भी साथ लेकर सम्मान और श्रेय देता है। संस्थागत अभिनिवेश से मुक्ति संघ की एक बड़ी विशेषता है। यद्यपि जब से भाजपा की सरकारें केन्द्र और राज्यों में बन रही हैं, तब से संघ में बहुत भीड़ भी आने लगी है। नये लोगों का आना सुखद है, पर जो स्वार्थवश आ रहे हैं, उनसे सावधान रहना होगा। श्नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमेश से लेकर श्परम वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्रम्श की इस अविराम यात्रा में बहुत काम बाकी है। निरूसंदेह अगले कुछ वर्ष में करोड़ों स्वर श्भारत माता की जयश बोलेंगे और विश्वगुरु भारत का सपना साकार होगा।

'अनुपालन और सत्यापन का समर्थन करने के लिए नए दिशानिर्देश'

अनुपालन व्यवस्था की विस्तृत प्रक्रिया बताती है कि कार्बन बाजार प्रणाली कैसे काम करती है। यह कंपनियों को दिखाता है कि वे अपने उत्सर्जन स्तर की कैसे निगरानी और रिपोर्ट कर सकते हैं और यदि वे अपने उत्सर्जन–कटौती लक्ष्यों को पूरा करते हैं या पूरा करते हैं तो वे कार्बन क्रेडिट कैसे अर्जित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई सीमेंट कंपनी अपने उत्सर्जन को आवश्यकता से अधिक कम कर देती है, तो वह अतिरिक्त कार्बन क्रेडिट अर्जित कर सकती है। ये क्रेडिट उन बिंदुओं की तरह हैं जिन्हें कंपनी किसी अन्य व्यवसाय, संभवतरू इस्पात कारखाने को बेच सकती है, जिसके लिए उत्सर्जन कम करना कठिन हो रहा है। इस तरह, जिन व्यवसायों को उत्सर्जन में कटौती के लिए अधिक समय की आवश्यकता है, वे अब भी बेहतर प्रदर्शन करने वालों से क्रेडिट खरीदकर अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं।अनुपालन व्यवस्था की यह विस्तृत प्रक्रिया, अनुपालन प्रक्रिया के लिए कैसे काम करेगी, इसके लिए एक स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। यह दस्तावेज उन सिद्धांतों, प्रक्रियाओं और समय–सीमाओं की रूपरेखा तैयार करता है जिनका हितधारकों को अपने उत्सर्जन कटौती दायित्वों को पूरा करने के लिए पालन करना चाहिए। इसमें यह मार्गदर्शन शामिल है कि संस्थाओं को अपने ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन की निगरानी, ??रिपोर्ट और सत्यापन कैसे करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रणाली पारदर्शी और जवाबदेह है।दूसरा दिशानिर्देश, जिसे प्रत्यायन प्रक्रिया कहा जाता है, यह सुनिश्चित करता है कि उत्सर्जन में कटौती वास्तविक है या नहीं, और इसकी जांच करने वाली कंपनियां भरोसेमंद और सक्षम हैं। यह सत्यापित करने के लिए कि क्या व्यवसाय ईमानदारी से अपने उत्सर्जन स्तर की रिपोर्ट कर रहे हैं, इसके लिए मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियां ??(एसीवी) तीसरे पक्ष के संगठन होंगे। उदाहरण के लिए, यदि कोई उद्योग अधिक ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी या नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके उत्सर्जन को कम करने का दावा करता है, तो एसीवी किसी भी कार्बन क्रेडिट देने से पहले संख्याओं की दोबारा जांच करेगा। यह ऐसे लेखा परीक्षक होने जैसा है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सटीक और निष्पक्ष हो। यह सुनिश्चित करता है कि प्रणाली पारदर्शी है, और हम भरोसा कर सकते हैं कि उत्सर्जन में कटौती वास्तविक है, न कि केवल कागज पर।यह बेहतर ढंग से समझने के लिए कि यह प्रणाली व्यवहार में कैसी दिख सकती है, आइए कुछ वास्तविक दुनिया के उदाहरणों पर विचार करेंरू भारत में एक बड़ी इस्पात कंपनी को वर्ष के अंत तक अपने कार्बन उत्सर्जन को 10 प्रतिशत तक कम करना होगा। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए, कंपनी अपनी मशीनरी को अधिक ऊर्जा–दक्ष बनाने के लिए अपग्रेड करती है, जिससे उसका कार्बन उत्सर्जन 15 प्रतिशत कम हो जाता है। इन उत्सर्जन की जाँच और सत्यापन मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियों द्वारा किया जाता है। अतिरिक्त 5 प्रतिशत कटौती से कंपनी को कार्बन क्रेडिट मिलता है जिसे वह सीमेंट निर्माता जैसी किसी अन्य कंपनी को बेच सकती है, जो अपने उत्सर्जन लक्ष्य को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है। इस तरह, दोनों कंपनियों को लाभ होता है

पार्टियां मुफ्त की रेवड़ी के नाम पर वोट लेती रहेंगी

अजीत द्विवेदी

देश में चुनाव का सीजन चल रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद दो राज्यों के चुनाव हुए हैं और दो अन्य राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। अगर पूछा जाए कि इस साल के हर चुनाव का केंद्रीय मुद्दा क्या था तो जवाब होगा, मुफ्त की रेवड़ी। चुनाव में और भी बहुत सी चीजें होती हैं लेकिन मुख्य रूप से मुफ्त की रेवड़ी पर ही सभी पार्टियों ने चुनाव लड़ा। तभी जब दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने गर्व से कहा कि उन्होंने दिल्ली के लोगों को श्छह मुफ्त की रेवड़ीश दी है और सातवीं रेवड़ी देने वाले हैं तो आश्चर्य नहीं हुआ। आखिर मुफ्त की रेवड़ी के आधुनिक संस्करण के जनक केजरीवाल ही हैं। इसलिए अगर वे इस पर गर्व कर रहे हैं और प्रधानमंत्री की ओर से बोले गए इस जुमले को तमगा बना कर सीने पर टांक रहे हैं तो उस पर क्या हैरान होना?

केजरीवाल ने अपने को और अधिक एक्सपोज करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भी प्रचार करने को तैयार हैं अगर वे एनडीए के शासन वाले 22 राज्यों में बिजली फ्री कर दें। सोचें, कैसी वैचारिक, नैतिक और राजनीतिक गिरावट है? जिस भाजपा और नरेंद्र मोदी को केजरीवाल, उनकी पार्टी और उनका पूरा गठबंधन संविधान के लिए, देश के लिए और समाज के लिए खराब मानता है उनके लिए भी सिर्फ बिजली फ्री होने पर प्रचार किया जा सकता है! क्या यही केजरीवाल की वैचारिक प्रतिबद्धता है कि बिजली फ्री हो जाए तो मोदी के लिए भी प्रचार करेंगे? क्या इसी आधार पर मोदी के खिलाफ लड़ेंगे?सवाल है कि अगर मोदी की पार्टी ने दिल्ली में बिजली फ्री कर दी तो क्या करेंगे केजरीवाल? अगर मोदी ने बिजली के साथ साथ वो तमाम चीजें मुफ्त में देने की घोषणा कर दी, जो केजरीवाल की सरकार दे रही है तो क्या केजरीवाल दिल्ली की सत्ता छोड़ देंगे और मोदी के लिए प्रचार करेंगे? ऐसा तो कतई नहीं होगा क्योंकि मुख्यमंत्री की कुर्सी छोडने के अगले दिन से ही उनकी बेचौनी बढ़ी है और वे नवंबर में ही चुनाव कराने की चुनौती भाजपा को दे रहे हैं। फरवरी तक इंतजार करने का धीरज भी उनें नहीं दिख रहा है! इसलिए केजरीवाल की बातों पर हैरानी नहीं होती है। वे इस तरह की विरोधाभासी और बेतुकी बातें करते रहते हैं। हैरानी इस बात पर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुफ्त की रेवड़ी का जुमला गढ़ा और इसका मजाक उड़ाया फिर भी उनकी पार्टी इसी की राजनीति कर रही है! उन्होंने कहा था कि मुफ्त की रेवड़ी की राजनीति से देश की अर्थव्यवस्था बरबाद हो जाएगी। लेकिन उनकी पार्टी अब इस राजनीति की चौंपियन बन गई है। भाजपा दूसरी सभी पार्टियों को इस राजनीति में पीछे छोड़ रही है। अभी झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने महिलाओं को नकद पैसे देने के लिए मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना शुरू की, जिसमें महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं तो भाजपा ने गोगो दीदी योजना का ऐलान किया, जिसमें सरकार बनने पर हर महिला को हर महीने 21 सौ रुपए दिए जाएंगे।यानी जितना हेमंत सरकार देगी उसका दोगुना। इसके अलावा भी भाजपा ने बहुत कुछ मुफ्त में देने का ऐलान किया है। उसने महाराष्ट्र में लड़की बहिन योजना शुरू की है, जिसमें हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रुपए दिए जा रहे हैं। इस योजना के मद पर हर साल 46 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। तभी पिछले दिनों केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इस योजना पर सब्सिडी इतनी ज्यादा है कि बाकी योजनाओं की सब्सिडी का पैसा समय पर दिया जा सकेगा या नहीं यह तय नहीं है।इसका मतलब है कि मुफ्त की रेवड़ी वाली योजनाओं से सभी सरकारों का बजट प्रभावित हो रहा है इसके बावजूद सभी पार्टियों में होड़ मची है। पार्टियों के नेता गर्व से कह रहे हैं कि उन्होंने छह मुफ्त की रेवड़ी दी है और सातवीं देंगे। हैरानी नहीं होगी, अगर आम आदमी पार्टी के मुकाबले में भाजपा की ओर से आठ वस्तुएं या सेवाएं मुफ्त में देने का वादा किया जाए। यह होड़ ऐसी है कि झारखंड में भाजपा ने महिलाओं को 21 सौ रुपए हर महीने देने का ऐलान किया तो सत्तारूढ़ जेएमएम ने कहा है कि अगली सरकार बनी तो वह एक हजार रुपए की राशि को बढ़ा कर ढाई हजार कर देगी।सोचें, पार्टियां राजस्व का स्रोत नहीं बता रही हैं। राजस्व बढ़ाने के उपायों की चर्चा नहीं हो रही है। बुनियादी ढांचे के विकास पर बात नहीं हो रही है। देश और राज्य के संरचनात्मक विकास की चर्चा नहीं हो रही है। लोगों के जीवन में गुणात्मक बदलाव लाने की बातें नेपथ्य में चली गई हैं। अब सिर्फ मुफ्त की रेवड़ी की बात हो रही है। चुनाव जीतने के लिए ऐसे ऐसे वादे किए जा रहे हैं, जिन्हें पूरा करने में राज्यों का वित्तीय ढांचा चरमरा रहा है। सरकारों के पास वेतन और पेंशन देने के पैसे पूरे नहीं हो रहे हैं। सरकारें तय सीमा से कहीं ज्यादा कर्ज ले चुकी हैं और उनके राजस्व का बड़ा हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में जा रहा है। लेकिन पार्टियों को इसकी परवाह नहीं है। उनको किसी तरह से सत्ता में आना है, उसके बाद चाहे जो हो। चुनाव जीतना राजनीति का परम लक्ष्य हो गया है। पार्टियां और उसके नेता सोच नहीं रहे हैं कि उनकी यह राजनीति एक दिन देश की पूरी अर्थव्यवस्था को मलबे के ढेर में बदल देगी।

पार्टियों का सत्ता का अंध मोह तो समझ में आता है। उनके लिए सत्ता सर्वोपरि है और वे इसके लिए ही राजनीति करती हैं। लेकिन ज्यादा हैरानी आम नागरिकों की सोच को लेकर हो रही है। बुनियादी ढांचे का विकास नहीं होने, शिक्षा व स्वास्थ्य की व्यवस्था बेहतर नहीं होने, रोजगार की जरुरत पूरी नहीं होने और भयंकर महंगाई व गरीबी के बावजूद वे मुफ्त की रेवड़ी के जाल में फंसे हैं। उनको समझ में नहीं आ रहा है कि सरकारें उनका खून चूस रही हैं। जिस तरह से स्वच्छैक रक्तदान करने पर स्वंयसेवी संस्थाएं और अस्पताल वाले रक्तदान करने वाले को जूस का एक ट्रेटा पैक देते हैं।उसी तरह सरकारें अलग अलग किस्म के टैक्स के जरिए जनता की जेब खाली कर रही हैं यानी उनका खून निकाल रही हैं और बदले में जूस का एक टेट्रा पैक यानी मुफ्त की रेवड़ी दे रही हैं। रक्तदान के बाद तो फिर शरीर में खून बन जाता है लेकिन ऐसे ही लोगों की कमाई नहीं बढ़ रही है। जब तक लोग अपने व्यापक और दूरगामी हितों को देख कर मतदान नहीं करेंगे

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आप जिस लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, वह आज हासिल हो सकता है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

वृष राशि–

आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग की आपको सहायता मिल जाएगी। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा,

मिथुन राशि–

आज का दिन बढिया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे, साथ ही आज किसी महत्वपूर्ण या राजनीतिज्ञ से मुलाकात फायदेमंद होगी। आज कारोबार में आपको फायदा होगा।

कर्क राशि–

आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस में लाभ पाने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको वाद–विवाद से दूर रहना होगा ताकि आप अपना मन काम में लगा सके।

सिंह राशि–

आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका काम–धंधा अच्छा चलेगा। आपको किसी काम में मदद की जरूरत रहेगी, इस मामले में अच्छे दोस्त से सलाह मिल सकती है।

कन्या राशि–

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। व्यवसायिक मामलों में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए मेहनत करने की जरूरत है। विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की नाकाम कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग सरकारी सेवारत हैं ।

तुला राशि–

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जायेगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनाएंगे।

वृश्चिक राशि–

आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों में भी रुचि रहेगी।

धनु राशि–

आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में अभी और मेहनत करने की जरूरत है।

मकर राशि–

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। अधिकारियों के साथ आपको अपने व्यवहार में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। धन लाभ के नए सोर्स नजर आ सकते हैं।

कुंभ राशि–

आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। जो काम जरूरी नहीं है उन कामों में अपना समय बर्बाद न करके रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है।

मीन राशि–

आज का दिन आपके लिए स्पेशल होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा,

अमेरिकी राज्यों को अलग-अलग रंगों में क्यों बांटा गया ? लाल, नीला, बैंगनी का कनेक्शन साल 2000 से क्यों जुड़ा

अमेरिकी राजनीति की थोड़ी सी भी जानकारी रखने वाला हर शख्स इस बात को जानता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों है?अमेरिका में जिन राज्यों में रिपब्लिकन का कब्जा है उसे लाल रंग के रूप में दिखाया जाता है। वहीं डेमोक्रेटिक रूल स्टेट को परिभाषित करने के लिए नीले रंग का उपयोग होते है। इससे इतर स्विंग स्टेट्स यानी रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों का दबदबा यहां बदलता रहता है, उसे बैंगनी रंग के रूप में संदर्भित किया जाता है। अमेरिकी राजनीति की थोड़ी सी भी जानकारी रखने वाला हर शख्स इस बात को जानता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों है? इसके पीछे की कहानी को जानने के लिए थोड़ा फ्लैशबैक में चलना होगा। साल 2000 में राष्ट्रपति चुनाव हो रहे थे। डेमोक्रेट अल गोर और रिपब्लिकन जॉर्ज डब्ल्यू बुश के बीच मुकाबला था। बुश

बनाम गोर प्रतियोगिता चुनाव की रात को तय नहीं हुई थी। हफ्तों तक चली ये खींचतान आखिरकार सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर जाकर समाप्त हुई। यही वह समय था जब मीडिया ने मतदाताओं तक जो कुछ हो रहा था उसे बताने का एक सरल लेकिन प्रभावी तरीका ढूंढा। जिसके बाद से ये चलन रेगुलर प्रैक्टिस में आ गया। लाल रंग रिपब्लिकन शासित राज्य, जबकि नीले राज्य डेमोक्रेटिक रूल स्टेट के लिए उपयोग किया गया था। स्मिथसोनियन मैगजीन ने द न्यूयॉर्क टाइम्स के वरिष्ठ ग्राफिक्स एडिटर आर्ची त्से ने इसके पीछे लॉजिक दिया कि मैंने अभी निर्णय लिया है कि लाल आर से शुरू होता है, रिपब्लिकन श्आरश से शुरू होता है। बाद में इसको लेकर ज्यादा चर्चा नहीं हुई। यूएसए टुडे के लिए काम करने वाले डेटाबेस संपादक पॉल ओवरबर्ग ने कहा कि जब उनके आउटलेट ने कॉल किया तब तक यह प्रवृत्ति पहले से ही लागू थी। ओवरबर्ग ने कहा कि मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उस समय हर कोई पहले से ही ऐसा कर रहा था। धीरे धीरे ये लोगों के मन में मजबूती से बैठ गया। इस बीच, स्विंग राज्य जो लाल से नीले रंग में बदल जाते हैं, उन्हें मीडिया द्वारा श्बैंगनी राज्यश के रूप में नामित किया गया था। द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, यह रसर्ट ही थे जिन्होंने 2000 के चुनाव से एक सप्ताह पहले टीवी पर पहली बार श्रेड स्टेट्सश और श्ब्लू स्टेट्सश शब्दों का इस्तेमाल किया था। कुछ लोगों का मानना है, कि राज्यों को लाल और नीला के रूप में नामित करना अमेरिका में पहले से मौजूद विभाजन को और बढ़ा रहा है। सीएनएन के मुताबिक, न्यूयॉर्क के सेंट बोनवेंचर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र और अपराध विज्ञान

के प्रोफेसर बेंजामिन ग्रॉस ने एक शोध पत्र में उल्लेख किया है, कि पाठक अपने साथी अमेरिकियों के बारे में नकारात्मक सोच विकसित कर सकते हैं, जैसे श्लाल राज्यश ऐसे व्यवहार करते हैं और श्नीला राज्यश किसी दूसरे तरह का व्यवहार करते हैं।

अब अपनी जीत दिख रही है बेहद करीब, Zelenskyy की गलतियों की सजा भुगत रहा

ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि रूसी सेना पूर्व में आगे बढ़ रही है क्योंकि वह चाहती है कि सर्दियां आने से पहले अपनी पोजीशन मजबूत कर ली जाये। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर यूक्रेन में जवानों और रक्षा साजो सामान की भारी कमी की खबरें सामने आ रही हैं। के खास कार्यक्रम शौर्य पथ में इस सप्ताह हमने ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) से जानना चाहा कि रूस–यूक्रेन युद्ध अब किस मोड़ पर है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि रूस धीरे–धीरे बढ़त हासिल करता जा रहा है और यूक्रेन जहां था वहां से भी पीछे हटता जा रहा है जिससे साफ प्रदर्शित हो रहा है कि रूस के लिए जीत अब ज्यादा दूर नहीं है। उन्होंने कहा कि वैसे जीत का प्लान घोषित करने का शौक यूक्रेनी राष्ट्रपति को ज्यादा है। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में वोलोदमीर जेलेंस्की अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन को अपने विक्ट्री प्लान के बारे में बता कर आये थे और अब वह मददगार देशों को अपने विक्ट्री प्लान के

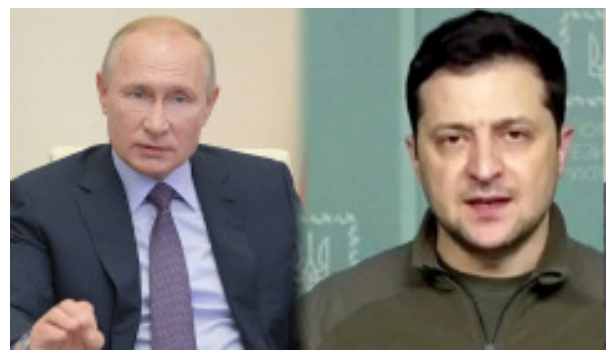

बारे में बता रहे हैं। जबकि हकीकत यह है कि उनकी सेना रूस के सामने टिक ही नहीं पा रही है। उन्होंने कहा कि हालात यह हैं कि जवानों और रक्षा साजो सामान की यूक्रेन में भारी कमी हो गयी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में एक भावना और उभर रही है कि जनता चाह रही है कि जितना इलाका रूस ने ले लिया है वह उसे दे दिया जाये और युद्ध समाप्त करवाया जाये ताकि वह शांति से रह सकें। लेकिन यूक्रेन और उसके मददगार देश किसी भी कीमत पर पुतिन को जीतने नहीं देखना चाहते इसलिए यूक्रेन को जल्द ही और मदद का आश्वासन दे रहे हैं।ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि रूसी सेना पूर्व में आगे बढ़ रही है क्योंकि वह चाहती है कि सर्दियां आने से पहले अपनी पोजीशन मजबूत कर ली जाये। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले महीने ही कहा था कि रूस उन परिदृश्यों की सूची का विस्तार कर रहा है जो उसे परमाणु हथियार लॉन्च करने पर विचार करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा युद्ध क्षेत्र की बात करें तो उसका विस्तार होता जा रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि रूसी ग्लाइड बमों ने यूक्रेनी सैनिकों के केंद्र पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि बयान में कहा गया है कि हमला ष्यूक्रेनी सशस्त्र बल कर्मियों के एक मजबूत केंद्रष के खिलाफ किया गया था और बम एक रूसी न–34 युद्धक विमान द्वारा गिराये गए थे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसकी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के मायखाइलिव्का गांव पर नियंत्रण कर लिया है, जहां वे पोक्रोव्स्क के महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक हब की ओर आगे बढ़ रहे हैं। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इसके अलावा, इसी सप्ताह यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने रात भर में यूक्रेनी क्षेत्र को निशाना बनाकर 68 ड्रोन और चार मिसाइलें दागीं। उन्होंने कहा कि वायु सेना ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा कि दो इस्कंदर–एम बैलिस्टिक मिसाइलों ने पोल्टावा और ओडेसा क्षेत्रों पर हमला किया और दो ज़ी–59 निर्देशित वायु मिसाइलों ने चेर्निहाइव और सुमी क्षेत्रों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि यूक्रेन की वायु रक्षा इकाइयों ने 31 ड्रोनों को नष्ट कर दिया, जबकि 36 का पता नहीं चला।

बार भारी पड़ेगा भारत से बैर, वोट बैंक की राजनीति Canada का बड़ा नुकसान करायेगी

ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि एक और कारण यह समझ आ रहा है कि ट्रूडो ने भारत विरोधी कदम एक बार फिर इसलिए उठाया है क्योंकि उनकी सरकार पर आरोप लगा है कि वह घरेलू राजनीति में चीन के हस्तक्षेप को रोकने में लापरवाही बरत रही है। कार्यक्रम शौर्य पथ में इस सप्ताह हमने ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) से जानना चाहा कि भारत और कनाडा के तनावपूर्ण संबंध अब कटुता के दौर में पहुँच गये हैं। इसे कैसे देखते हैं आप? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि यह सब चुनावी राजनीति का चक्कर है। उन्होंने कहा कि दरअसल घरेलू स्तर पर अपनी गिरती लोकप्रियता रेटिंग और सरकार के खिलाफ बढ़ते असंतोष के चलते ट्रूडो को यह कदम उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कनाडाई मीडिया में भी ट्रूडो के इस कदम को अगले साल के संघीय चुनावों से पहले राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिख समुदाय को लुभाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जीवनयापन की बढ़ती लागत, खराब स्वास्थ्य सेवा प्रणाली और बढ़ती अपराध दर की शिकायतों के बीच, इप्सोस सर्वेक्षण से पता चला है कि केवल 26ः लोगों ने ट्रूडो को सर्वश्रेष्ठ पीएम उम्मीदवार के रूप में देखा, जोकि कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलीवरे से 19 प्रतिशत अंक कम है। उन्होंने कहा कि कई राजनीतिक विश्लेषक भी भविष्यवाणी कर रहे हैं कि ट्रूडो की पार्टी को

ब्रिटेन में कंजर्वेटिवों की तरह ही चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कनाडा में 7.7 लाख से अधिक सिख हैं, जो चौथा सबसे बड़ा जातीय समुदाय है। उन्होंने कहा कि माना जाता है कि कनाडा में सिखों का एक बड़ा वर्ग खालिस्तान की मांग का समर्थन करता है। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों पर ट्रूडो की नीति को लेकर भारत हमेशा आपत्ति जताता रहा है। पिछले साल नई दिल्ली में जी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी ट्रूडो के साथ बैठक के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा में चरमपंथियों द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि वैसे यह पहली बार नहीं है कि अलगाववादियों ने भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय संबंधों में बड़ी खटास पैदा की है। उन्होंने कहा कि ट्रूडो के पिता, पियरे ट्रूडो जब कनाडा के प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने भी नई दिल्ली के साथ बेहतर संबंध नहीं रखे थे क्योंकि वह भी वोट बैंक की राजनीति के चलते अलगाववादियों के साथ थे। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि एक और कारण यह समझ आ रहा है कि ट्रूडो ने भारत विरोधी कदम एक बार फिर इसलिए उठाया है क्योंकि उनकी सरकार पर आरोप लगा है कि वह घरेलू राजनीति में चीन के हस्तक्षेप को रोकने में लापरवाही बरत रही है। उन्होंने कहा कि कनाडा ने अपने सहयोगी देशों से भी भारत के खिलाफ समर्थन मांगा लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। उन्होंने कहा कि देखा जाये तो ट्रूडो के मंत्रिमंडल में ऐसे व्यक्ति शामिल हैं, जो भारत को लेकर चरमपंथी और अलगाववादी एजेंडे से खुले तौर पर जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि कनाडाई प्रधानमंत्री भारत पर तमाम तरह के आरोप लगा रहे हैं मगर कोई सबूत नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कनाडा सरकार ने कई अनुरोधों के बावजूद भारत सरकार के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इससे इस बात में कोई संदेह नहीं रह जाता कि यह जांच के बहाने राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर भारत को बदनाम करने की एक रणनीति है। उन्होंने कहा कि ट्रूडो की सरकार एक ऐसे राजनीतिक दल पर निर्भर थी, जिसके नेता भारत के खिलाफ खुलेआम अलगाववादी विचारधारा का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह भी कोई संयोग नहीं है

कि कनाडा सरकार की ओर से तनाव उस समय बढ़ाया गया है जब प्रधानमंत्री ट्रूडो को विदेशी हस्तक्षेप पर एक आयोग के समक्ष गवाही देनी है। उन्होंने कहा कि ट्रूडो सरकार भारत विरोधी अलगाववादी एजेंडे को बढ़ावा देती है लेकिन अब उसे इसकी कीमत भी चुकानी पड़ेगी क्योंकि अबकी बार जो बैर लिया गया है उसका बुरा आर्थिक प्रभाव कनाडा की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला है।

एससीओ की मीटिंग में जयशंकर ने चीन–पाकिस्तान को डांट दिया! उतर गया शहबाज का मुंह

विदेश मंत्री ने सीपीईसी की ओर इशारा करते हुए कहा कि अगर हम दुनिया को चुनिंदा प्रथाओं को ही आगे बढ़ाकर खासकर व्यापार और व्यापारी मार्गों के लिए तो फिर एससीओ की प्रगति नहीं हो पाएगी। जयशंकर ने कहा कि एससीओ का उद्देश्य आपसी विश्वास, मित्रता और अच्छे पड़ोसी के रूप में संबंधों को मजबूत करना है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर एससीओ की बैठक में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान पहुंचे और उन्होंने एससीओ की इस बैठक में इशारों ही इशारों में चीन से लेकर पाकिस्तान तक की धुलाई कर दी। इस एससीओ की बैठक में खुद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मौजूद थे। चीन के प्रीमियर ली भी इस बैठक में मौजूद थे। इन दोनों के सामने ही भारत ने ऐसे मुद्दे उठा दिए जिससे माना जा रहा है कि उनकी धुलाई हुई है। शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लेते हुए एस जयशंकर ने चीन और पाकिस्तान की पोल खोली है। एससीओ की बैठक को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाक चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन के मुद्दे को उठा दिया है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए। ये जरूरी है कि सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दे। इसके लिए वास्तविक साझेदारी का निर्माण होना चाहिए न कि एकपक्षीय एजेंडे पर आगे बढ़ना चाहिए। विदेश मंत्री ने सीपीईसी की ओर इशारा करते हुए कहा कि अगर हम दुनिया को चुनिंदा प्रथाओं को ही आगे बढ़ाकर खासकर व्यापार और व्यापारी मार्गों के लिए तो फिर एससीओ की प्रगति नहीं हो पाएगी। जयशंकर ने कहा कि एससीओ का उद्देश्य आपसी विश्वास, मित्रता और अच्छे पड़ोसी के रूप में संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य खासकर क्षेत्रीय प्रकृति का बहुआयामी सहयोग विकसित करना है। इसका मकसद संतुलित विकास, एकीकरण और संघर्ष की रोकथाम के मामले में एक सकारात्मक शक्ति बनना है। जयशंकर ने कहा कि चार्टर में यह भी स्पष्ट था कि मुख्य चुनौतियां क्या थीं। मुख्य रूप से तीन चुनौतियां थीं जिनका मुकाबला करने के लिए एससीओ प्रतिबद्ध थारू पहली– आतंकवाद, दूसरी– अलगाववाद और तीसरी चुनौती–उग्रवाद। जयशंकर ने ऋण की चुनौती को भी गंभीर चिंता बताया। विदेश मंत्री ने वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि वैश्विक संस्थाओं को बदलावों के साथ तालमेल बनाए रखने की जरूरत है और उन्होंने सुधार के साथ बहुपक्षवाद की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों के स्तरों पर व्यापक सुधार की आवश्यकता पर भी बल दिया, ताकि वैश्विक निकाय को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, समावेशी, पारदर्शी और कुशल बनाया जा सके।

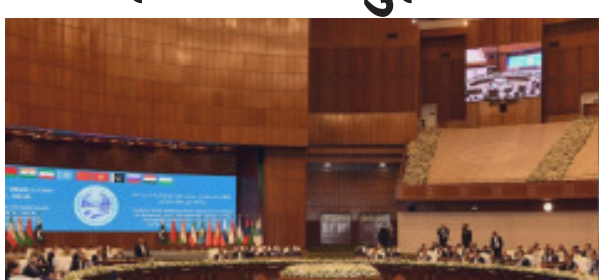

एअर इंडिया एक्सप्रेस विमान में कोई बम नहीं मिला सिंगापुर पुलिस

रक्षा मंत्री एनजी इंग हेन ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, "हमारे आरएसएएफ के दो एफ–15एसजी विमानों ने विमान को आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले जाकर सुरक्षित रूप से सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे पर आज रात लगभग 10.04 बजे उतारा।बम होने की धमकी के बीच एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में जांच में कोई बम नहीं मिला। यह विमान अपने निर्धारित आगमन समय से एक घंटे से अधिक समय बाद सिंगापुर में उतरा। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने कहा कि भारतीय शहर मदुरै से आए किफायती एयरलाइन्स के विमान की चांगी हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच पूरी करने के बाद उसे कोई बम नहीं मिला। एयरलाइन को ई–मेल के माध्यम से मंगलवार रात आठ बजकर 50 मिनट पर सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे पर उतरने वाली उड़ान संख्या एएक्सबी684 में बम होने की सूचना मिली।रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयर फोर्स (आरएसएएफ) के दो एफ–15 लड़ाकू विमानों की सुरक्षा में यह विमान रात 10.04 बजे उतरा। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि उन्हें रात 8.25 बजे बम की धमकी के बारे में सूचना मिली और विमान के उतरने के बाद उन्होंने जांच पूरी कर ली।पुलिस ने कहा कि जांच जारी है और जानबूझकर सार्वजनिक भय पैदा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उड़ानों पर नजर रखने वाले 'फ्लाइटरडार24' ने दिखाया कि विमान उतरने से पहले सिंगापुर के पूर्वी क्षेत्र में लगभग एक घंटे तक चक्कर लगाता रहा। रक्षा मंत्री एनजी इंग हेन ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, "हमारे आरएसएएफ के दो एफ–15एसजी विमानों ने विमान को आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले जाकर सुरक्षित रूप से सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे पर आज रात लगभग 10.04 बजे उतारा। हमारी जमीन स्थित आधारित वायु रक्षा प्रणालियां और विस्फोटक आयुध निस्तारण दल को भी सक्रिय किया गया था।" उन्होंने बताया कि विमान के उतरते ही उसकी जांच का जिम्मा हवाई अड्डा पुलिस को सौंप दिया गया।

जब इंदिरा गांधी ने लगाई थी जस्टिन ट्रूडो के पिता पियरे की क्लास! फिर भी आतंकवादी को सौंपने से किया मना, उसी ने उड़ा दिया विमान

दिरा गांधी ने भी खालिस्तानी मूवमेंट को समर्थन देने को लेकर सीनियर ट्रूडो को लाख समझाया लेकिन वो नहीं माने।अब यही गलती उनके बेटे जस्टिन ट्रूडो भी दोहरा रहे हैं। दरअसल, बात तब की है जब जस्टिन ट्रूडो के पिता पियरे ट्रूडो कनाडा के प्रधानमंत्री थे।भारत और कनाडा के रिश्ते लगातार तल्ख होते जा रहे हैं। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले को लेकर कनाडा लगातार भारत के साथ अपने संबंधों को बिगाड़ता जा रहा है। जस्टिन ट्रूडो से पहले उनके पिता पियरे ट्रूडो भी वहीं गलती दोहरा चुके हैं जो आज कनाडाई प्रधानमंत्री कर रहे हैं। उस वक्त भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सीनियर ट्रूडो की क्लास लगाई थी लेकिन वो नहीं समझे। फिर इसका खामियाजा उन्हें और 329 परिवारों को भुगतना पड़ा और बाद में खूब पछताए। इंदिरा गांधी ने भी खालिस्तानी मूवमेंट को समर्थन देने को लेकर सीनियर ट्रूडो को लाख समझाया लेकिन वो नहीं माने।अब यही गलती उनके बेटे जस्टिन ट्रूडो भी दोहरा रहे हैं। दरअसल, बात तब की है जब जस्टिन ट्रूडो के पिता पियरे ट्रूडो कनाडा के प्रधानमंत्री थे। उन्होंने 1968 से लेकर 1979 तक और फिर 1980 से लेकर 1984 तक कनाडा के प्रधानमंत्री के तौर पर देश की सत्ता संभाली थी। संयोग से इसी दौरान इंदिरा गांधी भारत की प्रधानमंत्री थी। उस दौरान भारत में उमड़ रहे खालिस्तानी आंदोलन के मद्देनजर उन्होंने खालिस्तानी तलविंदर सिंह परमार के भारत प्रत्यर्पण की मांग की थी। लेकिन पियरो ट्रूडो की सरकार ने ये कहते हुए इसे खारिज कर दिया था कि भारत ब्रिटेन की रानी को कॉमनवेल्थ का हेड तो मानता है, लेकिन सदस्य है। इसलिए वो किसी भी तरह का प्रत्यर्पण नहीं करेगा। इसलिए कॉमनवेल्थ प्रत्यर्पण संधि लागू नहीं कर सकते। बाद में 23 जजून 1983 को कनाडा में रहने वाले खालिस्तानी आतंकियों ने एयर इंडिया के विमान में बम रखकर उसे उड़ा दिया था। जिसमें 329

लोगों की मौत हो गई थी। मॉन्ट्रियल से नई दिल्ली जा रहे एयर इंडिया के विमान कनिष्क को 23जून 1985 को आयरिश हवाई क्षेत्र में बम से उड़ा दिया गया था। विमान अटलांटिक महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस आंतकी हमले में 329 लोग मारे गए थे। जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे। जिस समय विमान में बम विस्फोट हुआ तब लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से करीब 45 मिनट की दूरी पर प्लेन था। इस दौरान खालिस्तानी आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा का प्रमुख तलविंदर सिंह परमार एयर इंडिया विमान के हादसे का मास्टरमाइंड था। इस विमान हमले को लेकर कई लोग पियरो ट्रूडो को दोषी ठहराते हैं क्योंकि परमार को बचाने के लिए ट्रूडो ने इंदिरा गांधी की बात को नजरअंदाज किया था।

`दुश्मनों की तुलना में हमारे सहयोगियों ने हमारा अधिक फायदा उठाया

पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के सहयोगियों ने उसके दुश्मनों से ज्यादा उसका फायदा उठाया है। ट्रंप ने शिकागो के 'इकॉनमिक क्लब' में एक सवाल के जवाब में कहा, ''हमारे दुश्मनों से ज्यादा हमारे सहयोगियों ने हमारा फायदा उठाया है।वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के सहयोगियों ने उसके दुश्मनों से ज्यादा उसका फायदा उठाया है। ट्रंप ने शिकागो के 'इकॉनमिक क्लब' में एक सवाल के जवाब में कहा, ''हमारे दुश्मनों से ज्यादा हमारे सहयोगियों ने हमारा फायदा उठाया है। हमारे सहयोगी यूरोपीय संघ (ईयू) हैं। ईयू के साथ हमारा व्यापार घाटा 30 करोड़ अमेरीकी डॉलर है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास ऐसे व्यापारिक समझौते हैं जो बेहद खराब हैं। मैं पूछता हूं कि ऐसा करने वाले लोग कौन हैं? वे या तो बहुत मूर्ख हैं या उन्हें पैसे मिल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने चीन पर 27.5 प्रतिशत कर लगाया। अन्यथा, हमारे पास चीनी कारों की बाढ़ आ जाएगी। हमारी सभी फैक्टरियां बंद हो जाएंगी। ऑटो उद्योग में हमारे पास बिल्कुल भी नौकरियां नहीं होंगी। यह बिजली पर भी लागू होता है, जो जानलेवा है, जिसके बारे में मैंने बताया है। मैंने दक्षिण कोरिया पर कर लगाया क्योंकि वे ट्रक भेज रहे थे। मैंने काफी हद तक कर लगाया।'' ट्रंप ने कहा, ''क्या आप जानते हैं कि हमारी कार कंपनियां अपना लगभग सारा धन छोटे ट्रकों, एसयूवी से कमाती हैं? अगर मैं उन कर को वापस ले लूं, तो आप डूब जाएंगे। हर कार कंपनी का कारोबार बंद हो जाएगा।'' रूस पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपने संबंधों का बचाव किया। कर के मुद्दे पर उन्होंने दोहराया कि भारत एक कठोर देश है। ट्रंप ने कहा, ''भारत एक बहुत ही कठोर देश है। यह सिर्फ चीन की बात नहीं है। मैं कहूंगा कि चीन शायद सबसे कठोर है। आप जानते हैं कि सबसे कठोर क्या है? यूरोपीय संघ, हमारे खूबसूरत यूरोपीय देश, जो अदभुत हैं। अगर आप उन्हें जोड़ दें, तो वे लगभग हमारे आकार के हैं। वे हमारे साथ बहुत बुरा बर्ताव करते हैं। हमारे पास सिर्फ घाटा है।

रैंकिंग में जो रूट को हुआ फायदा, स्पेशल–20 क्लब में हुई एंट्री

दरअसल, रूट ने क्रिकेट इतिहास में 20 पुरुष बैटर्स द्वारा हासिल की गई करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रेटिंग हैं। कोहली 15वें नंबर पर हैं। वह 937 रेटिंग अंकों तक पहुंच चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन 961 रेटिंग अंकों के साथ टॉप पर हैं।आईसीसी ने खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने अब आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के एक स्पेशल 20 क्लब में एंट्री की है। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली पहले से ही लिस्ट में विराजमान हैं। दरअसल, रूट ने क्रिकेट इतिहास में 20 पुरुष बैटर्स द्वारा हासिल की गई करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रेटिंग हैं। कोहली 15वें नंबर पर हैं। वह 937 रेटिंग अंकों तक पहुंच चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन 961 रेटिंग अंकों के साथ टॉप पर हैं। आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग की बात करें तो जो रूट टॉप पर हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में दोहरा शतक जड़ा था। उन्होंने मुल्तान में 375 गेंदों में 17 चौके जड़े और 262 रन की पारी खेली। ये रूट के टेस्ट करियर का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। रूट ने दोहरा शतक जमाने के बाद रेटिंग अंकों में इजाफा किया है। इससे पहले उनके हाईएस्ट रेटिंग अंक 923 थे। रूट ने रैंकिंग में 100 से ज्यादा अंकों की बढ़त हासिल की। वहीं न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 829 अंक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उनके साथ इंग्लैंड के हैरी ब्रूक 829 अंक भी हैं। ब्रूक ने मुल्तान में तिहरा शतक (317) जमाया था उन्होंने 11 स्थान की छलांग लगाई। कोहली सातवें नंबर पर हैं।

बदानी दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच की दौड़ मेंय पंत, अक्षर और कुलदीप को रिटेन करने की उम्मीद

हेमंग बदानी दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच बनने की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं जबकि तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल का नाम फ्रेंचाइजी के सहयोगी स्टाफ में भूमिका के लिए चर्चा में है। दिल्ली कैपिटल्स ने कुछ सप्ताह पहले ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को उनकी उपलब्धता संबंधी समस्याओं के कारण मुख्य कोच के रूप में हटा दिया था।भारत के बाएं हाथ के पूर्व खिलाड़ी हेमंग बदानी दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच बनने की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं जबकि तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल का नाम फ्रेंचाइजी के सहयोगी स्टाफ में भूमिका के लिए चर्चा में है। दिल्ली कैपिटल्स ने कुछ सप्ताह पहले ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को उनकी उपलब्धता संबंधी समस्याओं के कारण मुख्य कोच के रूप में हटा दिया था।पोंटिंग 2018 से टीम के साथ थे। इंडियन प्रीमियर लीग के एक सूत्र ने पीटीआई को नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, ''दिल्ली कैपिटल्स का प्रबंधन स्तरीय घरेलू कोच ढूंढ रहा है और हेमंग तथा मुनाफ का नाम सामने आया है। अभी अंतिम फैसला नहीं किया गया है लेकिन मुनाफ गेंदबाजी कोच हो सकते हैं।''अधिकांश अन्य फ्रेंचाइजी की तरह दिल्ली कैपिटल्स के

भी आगामी भव्य नीलामी से पहले तीन खिलाड़ियों को रिटेन (अपने साथ बरकरार रखने) करने की उम्मीद है। टीम कप्तान ऋषभ पंत (18 करोड़ रुपये), ऑलराउंडर अक्षर पटेल (14 करोड) और बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव (11 करोड़) को रिटेन कर सकती है।पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने पर 75 करोड़ रुपये खर्च होंगे इसलिए यह माना जा रहा है कि पिछले साल के स्टार खिलाड़ी जेक–फ्रेजर मैकगर्क और दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स को टीम राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड के जरिए चुन सकती है, बशर्ते उनकी कीमत टीम के बजट के भीतर हो। बदानी का नाम मुख्य कोच के रूप में आने का कारण अगले दो वर्षों के लिए प्रबंधन में बदलाव का मामला हो सकता है।टीम के सह–मालिकों में से एक जीएमआर अब टीम का संचालन करेगा। दूसरा सह–मालिक जेएसडब्ल्यू है। माना जाता है कि दोनों सह–मालिकों के बीच दो–दो साल तक टीम का प्रबंधन करने पर सहमति है। बदानी इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद में ब्रायन लारा के साथ काम कर चुके हैं लेकिन अगर उन्हें यह काम मिलता है तो यह उनके लिए बहुत बड़ा मौका होगा।तमिलनाडु के पूर्व बल्लेबाज बदानी ने 2001–2004 के बीच भारत के लिए चार टेस्ट और 40 एकदिवसीय मैच खेले जिसमें 2001 की द्विपक्षीय श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय शतक उनके करियर का मुख्य आकर्षण रहा। उनसे उम्मीद की जाएगी कि वह दिल्ली कैपिटल्स को उसका पहला आईपीएल खिताब दिलाएं जो 2008 में लीग की शुरुआत के बाद से टीम से दूर रहा है। दिल्ली केवल एक बार 2020 में फाइनल में पहुंची है जब वह मुंबई इंडियंस से हार गई थी।

आईसीसी हाल आफ फेम में एलिस्टर कुक और एबी डिविलियर्स के साथ इस भारतीय दिग्गज को मिला मौका,

आईसीसी ने हॉल ऑफ फेम में तीन दिग्गज खिलाड़ियों को जगह दी। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज एबी डिविलियर्स, इंग्लैंड के एलिस्टर कुक के अलावा भारत की सफल गेंदबाजों में शामिल हैं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया था। नीतू डेविड दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्हें आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है।

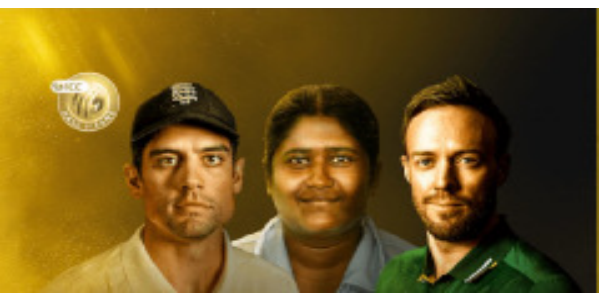

दिग्गज खिलाड़ी नीतू डेविड को भी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। नीतू डेविड भारत की सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल हैं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया था। बुधवार को आईसीसी ने हॉल ऑफ फेम में तीन दिग्गज खिलाड़ियों को जगह दी। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज एबी डिविलियर्स, इंग्लैंड के एलिस्टर कुक के अलावा भारत की दिग्गज खिलाड़ी नीतू डेविड को भी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। नीतू डेविड भारत की सबसे उनसे पहले डायना एडुल्जी को साल 2023 में ये सम्मान दिया गया था। आईसीसी ने नीतू डेविड को क्रिकेट मैदान और उसके बाहर खेल को लेकर दिए गए उनके योगदान के लिए ये सम्मान दिया गया। इस स्पिनर ने भारत के लिए 100 से ज्यादा मैच खेले हैं। वह वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरी भारतीय हैं। वहीं वह पहली भारतीय गेंदबाज थी जिन्होंने वनडे में 100 विकेट अपने नाम किए। डेविड ने 10 टेस्ट में 41 और 97 वनडे में 141 विकेट अपने नाम किए हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के ड्रेसिंग रूप में भारत का नाम लिया तो हो लग जाएगा बैन, कप्तान ने बताया इसके पीछे का कारण

भारत फैंस पाकिस्तान के खिलाफ हार बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं तो वहीं पाकिस्तान फैंस के लिए भारत के खिलाफ जीत दर्ज करना बहुत बड़ी बात हो जाती है। पाकिस्तान ए के कप्तान मोहम्मद हारिस ने बताया कि उनके टीम के ड्रेसिंग रूप में भारत का नाम लेना बैन है।राजनीति और क्रिकेट मैदान पर भारत और पाकिस्तान एक दूसरे के कड़े प्रतिद्वंद्वी हैं। भारत फैंस पाकिस्तान के खिलाफ हार बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं तो वहीं पाकिस्तान फैंस के लिए भारत के खिलाफ जीत दर्ज करना बहुत बड़ी बात हो जाती है। पाकिस्तान ए के कप्तान मोहम्मद हारिस ने बताया कि उनके टीम के ड्रेसिंग रूप में

भारत का नाम लेना बैन है। एमर्जिंग एशिया कप में पाकिस्तान ए की कप्तान मोहम्मद हारिस के कंधों पर है। उनकी टीम 19 अक्टूबर को भारत का सामना करेगी। मैच से पहले टीम के कप्तान ने बताया कि उनके ड्रेसिंग रूप में इंडिया के बारे में बात करने पर बैन है। दरअसल, सोशल मीडिया पर हारिस का वीडियो वायरल है जिसमें उन्होंने कहा कि, ड्रेसिंग रूप में भारत के बारे में बात करने पर बैन है। खिलाड़ियों को भारत के खिलाफ मैच के बारे में सोचकर दबाव महसूस होता है और हम नहीं चाहते हैं कि ऐसा हो। हारिस ने कहा कि वह टूर्नामेंट की तैयारी अच्छी चल रही है। वह केवल भारत के बारे में ही नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने ओमान और यूएई के खिलाफ मैचों की तैयारी भी की है। पुरुष एसीसी कप 2024 की शुरुआत 18 अक्टूबर से होगी। टूर्नामेंट में टीमों को दो–दो के ग्रुप में बांटा गया है। भारत ए, पाकिस्तान ए, ओमान ए और यूएई ए ग्रुप बी में है। वहीं अफगानिस्तान, बांग्लादेश हॉन्ग कॉन्ग और श्रीलंका की ए टीमें एक ग्रुप में हैं। दोनों ग्रुप की टॉप दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, ये सेमीफाइनल 25 अक्टूबर को खेले जाएंगे। वहीं फाइनल मैच 27 अक्टूबर को होगा। भारतीय टीम की बात करें को पाकिस्तान के बाद भारत का सामना 21 अक्टूबर को यूएई से होगा। वहीं 23 अक्टूबर को वह ओमान का सामना करने उतरेंगे। भारत की कप्तान तिलक वर्मा करेंगे। उनके अलावा टीम में अभिषेक शर्मा, राहुल चाहर जैसे नाम भी हैं जो कि टीम इंडिया के लिए खेल चुके हैं।

कामरान गुलाम डेब्यू टेस्ट में जड़ा शतक, इस भारतीय ने 92 साल पहले किया था ऐसा

कामरान गुलाम ने अपने डेब्यू टेस्ट की पहली ही पारी में शतक लगाया जबकि बाबर आजम ऐसा नहीं कर पाए थे। यही नहीं कामरान गुलाम डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दुनिया के छठे बल्लेबाज भी बने और कई दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हुए।इंग्लैंड के खिलाफ जब दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए बाबर आजम को पाकिस्तान टीम से बाहर किया गया था तब काफी हंगामा मचा था। उनकी जगह टीम में कामरान गुलाम को लाया गया और दूसरे टेस्ट की पहली पारी में नंबर 4 पर खेलते हुए इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाकर उन्होंने खुद को साबित भी कर दिया। 29 साल के कामरान गुलाम ने अपने डेब्यू टेस्ट की पहली ही पारी में शतक लगाया जबकि बाबर आजम ऐसा नहीं कर पाए थे। यही नहीं कामरान गुलाम डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दुनिया के छठे बल्लेबाज भी बने और कई दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हुए, लेकिन डेब्यू टेस्ट मैच में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज भारत के थे और उन्होंने 94 साल पहले ऐसा कमाल किया था। इंग्लैंड के खिलाफ कामरान गुलाम ने मुल्तान में दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 224 गेंदों पर 118 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने एक छक्का और 11 चौके भी लगाए का कमाल किया और ये टेस्ट में उनका पहला शतक भी रहा। इस पारी के बाद कामरान अकमल डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाने वाले वर्ल्ड के चौथे बल्लेबाज बने साथ ही पाकिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बने। डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर कामरान से पहले पाकिस्तान के लिए सलीम मलिक ने साल 1982 में शतकीय पारी खेली थी। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में डेब्यू मैच में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाने का कमाल करने वाले पहले खिलाड़ी भारत के थे। नवाब ऑफ पटौदी ने साल 1932 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाया था।

उन्होंने ये कमाल 92 साल पहले किया था। वहीं भारत की तरफ से ये कमाल गुणडप्पा विश्वनाथ भी कर चुके हैं। उन्होंने साल 1969 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाया था। भारत के लिए ऐसा अब तक सिर्फ इन दो खिलाड़ियों ने किया है।

पारस म्हाम्ब्रे की IPL में हुई वापसी, मुंबई इंडियंस में मिली ये जिम्मेदारी

पारस म्हाम्ब्रे की इंडियन प्रीमियर लीग में घर वापसी हो गई है। दरअसल, मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 से पहले म्हाम्ब्रे को बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। वह पहले भी एमआई के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। वह एमआई के मौजूदा बॉलिंग कोच लसिथ मलिंगा के साथ काम करेंगे। 53 वर्षीय म्हाम्ब्रे टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच रह चुके हैं।वर्ल्ड कप विनर पारस म्हाम्ब्रे की इंडियन प्रीमियर लीग में घर वापसी हो गई है। दरअसल, मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 से पहले म्हाम्ब्रे को बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। वह पहले भी एमआई के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। वह एमआई के मौजूदा बॉलिंग कोच लसिथ मलिंगा के साथ काम करेंगे। 53 वर्षीय म्हाम्ब्रे टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच रह चुके हैं। मुंबई इंडियंस के मौजूदा बॉलिंग कोच लिथ मलिंगा के साथ काम करेंगे। 53 वर्षीय म्हाम्ब्रे टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के बॉलिंग कोच थे। एमआई ने बुधवार को एक बयान में कहा कि, पारस म्हाम्ब्रे और लसिथ मलिंगा की जोड़ी बहुत ही खरतनाक है। म्हाम्ब्रे ने भारत के तेज गेंदबाजी विभाग को दुनिया की सबसे बेहरतीन लाइनअप में बदलने में अहम भूमिका निभाई।

वह टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली कोचिंग टीम का हिस्सा रहे और अब मुंबई इंडियंस में वापसी कर रहे हैं। वह हेड कोच महेला जयवर्धने के नेतृत्व में कोचिंग टीम में मलिंगा के साथ काम करेंगे। बता दें कि, म्हाम्ब्रे साल 2008 में आईपीएल के पहले सीजन में एमआई की कोचिंग टीम का हिस्सा थे।

बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल, बेंगलुरु में टास तक भी नहीं हो सका

16 अक्टूबर से भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज हो गया है। लेकिन बारिश के कारण बेंगलुरु के एम ए चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले टेस्ट का पहला दिन बाधित हो गया। यहां टॉस तक भी नहीं हो पाया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2023–25 चक्र का हिस्सा है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार 16 अक्टूबर से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज हो गया है। लेकिन बारिश के कारण बेंगलुरु के एम ए चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले टेस्ट का पहला दिन बाधित हो गया। यहां टॉस तक भी नहीं हो पाया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2023–25 चक्र का हिस्सा है।मौसम विभाग ने पूरे दिन बारिश की भविष्यवाणी की है, जिसके कारण भारतीय खिलाड़ी खुद को एक्टिव रहने के लिए इनडोर नेट्स में प्रैक्टिस कर रहे हैं। भारतीय टीम के खिलाड़ी विराट कोहली यशस्वी जायसवाल मैदान पर नजर आए थे। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक वह अपने किट के साथ इंडोर नेट्स में गए और कुछ समय बिताया। लंच के बाद भी बारिश होने के कारण पहले दिन का खेल रद्द करनापड़ा। प्रदर्शन करते हुए मैच अपने नाम किया था।

जुकाम होने पर आपको भी नहीं देता सुनाई? मतलब इस खौफनाक बीमारी की चपेट में हैं आप

सुनना एक ऐसा कौशल है जिसे हममें से ज्यादातर लोग हल्के में लेते हैं. लेकिन शोध बताते हैं कि वयस्कों को अपनी सुनने की क्षमता में होने वाले बदलावों पर ध्यान देना चाहिए. क्योंकि सुनने की समस्याएं बड़ी उम्र में डिमेंशिया विकसित होने से जुड़ी हो सकती हैं. 60 साल से अधिक उम्र के 80,000 से अधिक वयस्कों पर साल 2021 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि शोरगुल वाले वातावरण में भाषण सुनने में परेशानी वाले लोगों में डिमेंशिया का जोखिम अधिक था. जोकि मेमोरी लॉस और भाषा और अन्य सोच कौशल में कठिनाई की विशेषता वाली स्थितियों के लिए एक व्यापक शब्द है. लेकिन इसका एक सकारात्मक पहलू भी है.अध्ययन ने इस बात के सबूत जोड़े कि सुनने की समस्याएं न केवल डिमेंशिया का लक्षण हो सकती हैं, बल्कि वास्तव में डिमेंशिया का एक जोखिम कारक हो सकती हैं. जो किसी भी गिरावट के शुरू होने से पहले लोगों, उनके परिवारों या डॉक्टरों को इसके शुरू होने के बारे में सचेत कर सकती हैं. जुलाई साल 2021 में ऑक्सफोर्ड

विश्वविद्यालय के महामारी विज्ञानी और अध्ययन लेखक थॉमस लिटिलजॉन्स ने कहा,श्रवण हानि और क्या इससे डिमेंशिया का जोखिम बढ़ सकता है, इस बारे में विशेष रुचि रही है. ये परिणाम बताते हैं कि शोर में भाषण सुनने की हानि डिमेंशिया की रोकथाम के लिए एक आशाजनक लक्ष्य हो सकती है.डिमेंशिया के 9 प्रमुख कारण हो सकते हैं2017 में, धूम्रपान और शारीरिक निष्क्रियता के साथ श्रवण हानि को डिमेंशिया के नौ प्रमुख, परिवर्तनीय जोखिम कारकों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया था. लैंसेट की उस ऐतिहासिक रिपोर्ट को 2020 में जल्द ही अपडेट कर दिया गया था. जिसमें तीन और जोखिम कारक शामिल किए गए, जिससे कुल जोखिम कारक 12 हो गए 2024 में, लैंसेट रिपोर्ट के तीसरे अपडेट में दो और जोड़े गए, जिससे कुल जोखिम कारक 14 हो गए.ये जोखिम कारक हमारी जीवनशैली और सामान्य स्वास्थ्य के ऐसे तत्व हैं जिन्हें सुधारा जा सकता है, और अगर ऐसा किया जाता है, तो यह हमारे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है और स्वास्थ्य स्थितियों की संभावना को कम कर सकता है.इसकी जांच करने के लिए, इस अध्ययन के पीछे ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक का सहारा लिया, जो एक शोध डेटाबेस है जो यूके की आबादी के एक बड़े हिस्से में आनुवंशिकी, पर्यावरणीय कारकों और स्वास्थ्य परिणामों के बीच संबंधों को जानने के लिए स्थापित किया गया है. 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के 82,000 से अधिक महिलाओं और पुरुषों के समूह के लिए मनोभ्रंश जोखिम का विश्लेषण किया गया, जो मनोभ्रंश से मुक्त थे और अध्ययन की शुरुआत में उनकी सुनने की क्षमता का मूल्यांकन किया गया था.मेमोरी लॉस इस स्थिति में 5 गुना बढ़ जाती है लैंसेट की रिपोर्टों में यह अनुमान लगाया गया है कि मनोभ्रंश के जोखिम कारकों में, श्रवण हानि का बोझ सबसे अधिक हो सकता है – इस प्रकार कि मध्य आयु में श्रवण हानि से पीडिघ्त लोगों में मनोभ्रंश विकसित होने की संभावना पांच गुना अधिक होती है. प्रतिभागियों की वाणी–में–शोर सुनने की क्षमता का परीक्षण किया गया. जो शोर भरे वातावरण में भाषण के अंशों को पहचानने की क्षमता है – इस मामले में, सफेद पृष्ठभूमि शोर के विरुद्ध बोले गए अंकों को पहचानना. लगभग 11 साल के बाद, स्वास्थ्य रिकॉर्ड के आधार पर 1,285 प्रतिभागियों में मनोभ्रंश विकसित हो गया था.

सिर्फ मूड ही नहीं सुधारती आइसक्रीम, शरीर और दिमाग पर डालती है खास असर

आइसक्रीम का नाम सुनते किसी का भी खाने का मन कर जाए. भूख लगी हो या न लगी हो, आइसक्रीम खाने निकल पड़ते हैं. सर्दी, गर्मी, बरसात, आइसक्रीम हर सीजन में पसंद की जाती है. हालांकि, आम धारणा यह भी है कि यह सेहत के लिए ठीक नहीं होती है, क्योंकि इसमें शुगर, फ्लेवर, कलर जैसी चीजें मिलाई जाती है, जो कई बीमारियों का कारण बन सकती है.हालांकि, हाल ही की कुछ रिसर्च में ये बात पता चली कि आइसक्रीम का हमारी हेल्थ पर अच्छा असर डाल सकती है. द अटलांटिक मैग्जीन ने द आइसक्रीम कॉन्सिपरेसी में बताया कि सालों खाने से कई बीमारियां दूर हो सकती है. यह सिर्फ मूड ही नहीं सुधारती, बल्कि शरीर और दिमाग पर भी खास असर डालती है.आइस्क्रीम के फायदेमेंटल हेल्थ को बूस्ट करती हैएक कप आइसक्रीम ही मिजाज बदल सकती है. जब भी अच्छा फील न हो, स्ट्रेस समझ आए तो आइस्क्रीम खा सकते हैं. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आइसक्रीम नेचुरल कूलिंग एजेंट की तरह होता है, जो पेन रिलीफ और स्ट्रेस को

दूर करने का काम करता है. इसके साथ ही दूध में ट्रिप्टोफन होता है जो कि ब्रेन में हैप्पी हॉर्मोन सेरोटोनिन रिलीज कर अच्छा बनाता है.

दिमाग को रखे दुरुस्त

लंदन के इंस्टीट्यूट ऑफ साइक्रियाट्री की 2021 की रिसर्च में पाया गया कि आइसक्रीम (द्वढष्द्ग ष्टह्म्द्गड्डद्व) खाने के बाद दिमाग एक्टिव हो जाता है और प्रतिक्रिया देने लगता है. आइसक्रीम खाने से दिमाग का ऑर्बिटोफ्रंटल कॉर्टेक्स तेज हो जाता है, जो निर्णय लेने का काम करता है. मतलब आइस्क्रीम मूड को सुधारती है. आइसक्रीम में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम हमारे शरीर में तनाव को कम करने में मदद करते हैं. इससे हमारी नींद भी अच्छी होती है.

दिल की बीमारियों का रिस्क कम करे

आइसक्रीम खाने से हार्ट प्राब्लम्स का रिस्क घटता है. डेयरी प्रोडक्ट से बनी आइसक्रीम में मिल्क और फैट होने से एक खास तरह की झिल्ली बन जाती है, जो ब्लड में शुगर के जाने रफ्तार कम करती है. रिसर्च बताता है कि आइसक्रीम की ग्लाइसेमिक इंडेक्स वैल्यू कम होती है, मतलब यह शुगर के रिलीज को कंट्रोल करती है, इसलिए दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है.

हड्डियों को मजबूत बनाती हैआइसक्रीम में कैल्शियम की अधिक मात्रा होती है, जो हमारी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करती है. इससे हमारे शरीर की हड्डियों की सेहत अच्छी रहती है. आइस्क्रीम कई बीमारियों का खतरा कम कर सकता है.

पाचन तंत्र को सुधारती है

आइसक्रीम में मौजूद प्रोबायोटिक्स हमारे पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करते हैं. इससे हमारा पेट स्वस्थ रहता है. हालांकि, कुछ कंडीशन में आइस्क्रीम खाने से बचना भी चाहिए, क्योंकि फायदों के साथ कई बीमारियों में इसे खाने से नुकसान भी उठाना पड़ सकता है.

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कमाई में भारी गिरावट, जानें चौथे दिन का कारोबार

पिछले काफी समय से फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो चर्चा में थी। आखिरकार 11 अक्टूबर को इसने सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया है।फिल्म में राजकुमार राव के साथ पहली बार तृप्ति डिमरी की जोड़ी बनी है, जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।आइए जानते हैं विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने चौथे दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को 2.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 21.05 करोड़ रुपये हो गया है।विक्की विद्या का वो वाला

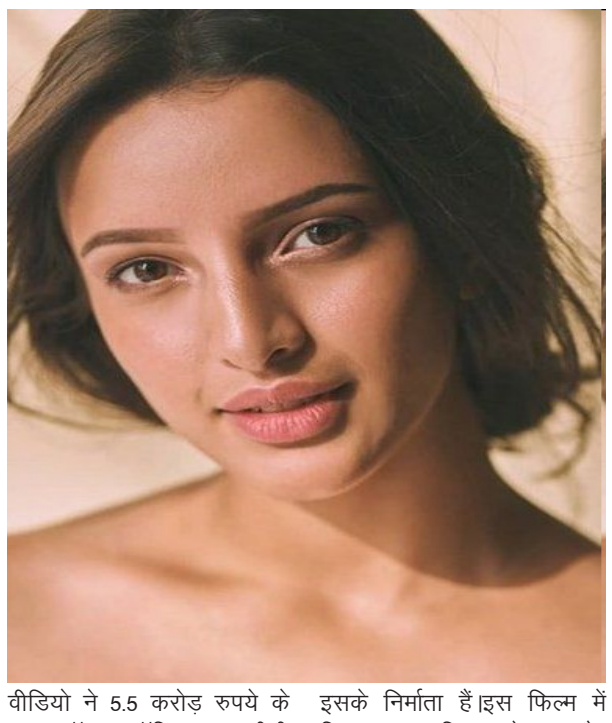

वीडियो ने 5.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 6.9 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। तीसरे दिन इसने 6.4 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्देशन राज शांडिल्य हैं। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। भूषण कुमार इसके निर्माता हैं।इस फिल्म में विजय राज, मल्लिका शेरावत और शहनाज गिल जैसे सितारे भी नजर आ रहे हैं।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कहानी विक्की (राजकुमार) और विद्या (तृप्ति) पर आधारित है, जो अपनी शादी के बाद पहली रात को यादगार बनाने के लिए वीडियो बनाते हैं, लेकिन वह वीडियो खो जाता है।

रवीना टंडन को अपनी बेटी राशा की पहली कमाई से मिला यह खूबसूरत तोहफा

अभिनेत्री रवीना टंडन की खुशी इस वक्त सातवें आसमान पर है, क्योंकि उनकी बेटी राशा टंडन अब कमाने लगी हैं। राशा ने अपनी पहली कमाई से अपनी मां को एक खूबसूरत तोहफा भी दिया

है।दरअसल, रवीना का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।इस वीडियो में रवीना के हाथ में एक भूरे रंग का पर्स दिखाई दे रहा है, जो उन्हें उनकी बेटी ने अपनी कमाई से उपहार में दिया है। पैपराजी से बातचीत करते हुए रवीना ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, ष्यह पर्स मुझे मेरी बेटी ने अपनी पहली कमाई से उपहार में दिया है।ष इस दौरान रवीना के आंखों की चमक और खुशी देखने लायक थी।काम के मोर्चे पर बात करें तो रवीना जल्द ही फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, परेश रावल और दिशा पटानी भी नजर आएंगे।

देवरा बनी रिकाईधारी, अब आरआरआर, बाहुबली 2 को पछाड़ बनी 17वें दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

जूनियर एनटीआर की नई फिल्म देवरा पार्ट 1 ने बीती 27 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए आज 18 दिन हो गए हैं. इस बीच देवरा की 17वें दिन की बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की रिपोर्ट सामने आ गई है. फिल्म ने 17वें दिन एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है. बॉक्स ऑफिस पर नई फिल्में रिलीज होने के बावजूद देवरा ने सिनेमाघरों में अपना

जादू बरकरार रखा है. तीसरे वीकेंड में भी फिल्म ने अच्छा परफॉर्म किया है. तीसरे शुक्रवार को देवरा ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 2. 75 करोड़ रुपये कमाए. वहीं, शनिवार और रविवार को फिल्म के कलेक्शन ग्राफ में बढ़ोतरी देखी गई. दशहरा के दिन देवरा ने 5. 25 करोड़ रुपये की कमाई की. वहीं, बीते रविवार को भी फिल्म ने 5.25 करोड़ रुपये का शानदार बिजनेस किया.दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर देवरा ने 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. बीते रविवार को देवरा के मेकर्स ने फिल्म के कलेक्शन के बारे में अपडेट साझा किया था और बताया कि फिल्म ने 509 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है.तेलुगू राज्यों में देवरा का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है. फिल्म ने रायलसीमा में कमाई का अंबार लगा दिया है. दशहरा की छुट्टियों का फायदा उठाते हुए देवरा ने 16वें दिन अच्छी कमाई की थी.देवरा ने 17वें दिन रविवार का फायदा उठाते हुए एक बार अच्छी कमाई की है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टॉलीवुड के इतिहास में अब तक 17वें दिन सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली फिल्मों में रंगस्थलम (50 लाख रु), हनुमान (50 लाख रु), पुष्पा (68 लाख रु) और बाहुबली 2 (75 लाख रु) शामिल हैं, जबकि आरआरआर ने 88 लाख रुपये कमाए थे. अब 17वें दिन देवरा ने इन सभी फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 95 लाख रुपये कमाए हैं.

सांसों की बदबू से छुटकारा पाने के लिए इन तरीकों से स्पीयरमिंट तेल का करें उपयोग

सांसों की दुर्गंध एक आम समस्या है, जिससे कई लोग परेशान रहते हैं। इस समस्या का समाधान प्राकृतिक तरीके से करना चाहते हैं तो स्पीयरमिंट तेल एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।यह एसेंशियल ऑयल न केवल मुंह की दुर्गंध को दूर करता है, बल्कि मुंह के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।आइए जानते हैं कि कैसे आप स्पीयरमिंट तेल का उपयोग करके अपनी सांसों को ताजगी दे सकते हैं।माउथवॉश के रूप में उपयोग करेंस्पीयरमिंट तेल का सबसे आसान और असरदार तरीका है कि इसे माउथवॉश के रूप में उपयोग करें।इसके लिए एक गिलास पानी में कुछ बूंदें स्पीयरमिंट तेल मिलाएं और इस मिश्रण से कुल्ला करें।यह न केवल मुंह की दुर्गंध को दूर करेगा, बल्कि बैक्टीरिया को भी खत्म करेगा, जो दुर्गंध का कारण बनते हैं। इसके नियमित उपयोग से आपके मुंह की सफाई बेहतर होगी और सांसों में ताजगी बनी रहेगी।टूथपेस्ट में मिलाएं आप अपने नियमित टूथपेस्ट में भी स्पीयरमिंट तेल की कुछ बूंदें मिला सकते हैं।इससे आपके दांत साफ और चमकदार रहेंगे और साथ ही आपकी सांसें भी ताजगी भरी रहेंगी।यह तरीका बहुत ही सरल और प्रभावी है, जिसे आप रोजाना अपना सकते हैं। स्पीयरमिंट तेल में मौजूद प्राकृतिक तत्व बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं, जिससे मुंह की दुर्गंध दूर होती है।इसके अलावा यह मसूड़ों के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।चाय या पानी में मिलाएंस्पीयरमिंट तेल का सेवन करने से भी मुंह की दुर्गंध कम होती है। इसके लिए आप अपनी चाय या पानी में इसकी कुछ बूंदें मिला सकते हैं।यह न केवल आपकी सांसों को ताजगी देगा, बल्कि आपके पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होगा। स्पीयरमिंट तेल में मौजूद प्राकृतिक तत्व पाचन को बेहतर बनाते हैं और पेट की समस्याओं से राहत दिलाते हैं।ऐसे आप अपनी सांसों को ताजगी देने के साथ–साथ अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं।

वेस्टर्न आउटफिट पहने कमाल की दिखीं मोनालिसा, कातिलाना अदाएं देखकर घायल हुए फैंस

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका बोल्ड और हॉट अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका बोल्ड लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने रेड

कलर की बेहद ही सेक्सी ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कैमरे के सामने किलर पोज दे रही हैं।बालों की पोनी बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये लुक देखकर फैंस अपनी नजरें उन पर से हटा नहीं पा रहे हैं।इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक मोनालिसा अपने हर एक लुक में काफी जबरदस्त लगती हैं। उनका कातिलाना लुक इंस्टा पर पोस्ट होते ही लोगों के बीच ट्रेंड करने लगता है।मोनालिसा सोशल मीडिया स्टार हैं, इंस्टाग्राम पर उनके चाहने वालों की लिस्ट भी काफी लंबी है। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही लोगों के होश उड़ा देता है।

3 का टाइटल ट्रैक रिलीज, दोसांझ–पिटबुल के कौलेब और कार्तिक आर्यन के मूव्स ने किया सबको हैरान

भूल भुलैया 3 के मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना रिलीज करते ही दर्शकों को यह बता दिया है कि फ्रैंचाइजी के तीसरे भाग की म्यूजिक एल्बम जबरदस्त होने वाली है। फिल्म के टाइटल ट्रैक के लिए निर्माता भूषण कुमार पिटबुल और दिलजीत को साथ लेकर आए हैं।अभिनेता कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया गया है। ये इस मूवी के म्यूजिक एल्बम का पहला गाना भी है, जिसे मेकर्स ने बुधवार को रिलीज किया है। भूल भुलैया 3 के टाइटल ट्रैक की खास बात यह है कि इसमें बॉलीवुड और हॉलीवुड के नामी सिंगर्स ने अपनी आवाज दी है। बॉलीवुड के म्यूजिक स्टार्स नीरज श्रीधर, दिलजीत दोसांझ और हॉलीवुड के स्टार सिंगर पिटबुल ने गाने को गाया है। यहीं वजह है कि रिलीज होते ही गाने के सूर और लिरिक्स लोगों की जुबा पर चढ़ गए हैं। भूल भुलैया 3 के मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना रिलीज करते ही दर्शकों को यह बता दिया है कि फ्रैंचाइजी के तीसरे भाग की म्यूजिक एल्बम जबरदस्त होने वाली है। फिल्म के टाइटल ट्रैक के लिए निर्माता भूषण कुमार पिटबुल और दिलजीत को साथ लेकर आए हैं। गाने में पिटबुल ने रैप गाया है, दिलजीत की आवाज हर जगह फैली हुई है और नीरज ने गाने के कोरस गाए हैं। निर्माता भूषण कुमार ने टाइटल ट्रैक के लिए पिटबुल और दिलजीत को साथ लाने के बारे में कहा, श्हम भूल भुलैया 3

के लिए इस खघस म्यूजिकल कोलैबोरेशन को पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। पिटबुल, दिलजीत दोसांझ और नीरज श्रीधर को एक साथ लाना कुछ ऐसा है जो भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं किया गया। प्रीतम और तनिष्क बागची द्वारा बीट्स तैयार करने के साथ, हम बॉलीवुड संगीत की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। और सबसे बढ़कर, इस ट्रैक में सभी के पसंदीदा कार्तिक आर्यन अपने बेहतरीन आकर्षक अंदाज में नजर आ रहे हैं, जिसमें शानदार ग्लाइडिंग डांस मूव्स दिखाए गए हैं, जो निश्चित रूप से सभी को झूमने पर मजबूर कर देंगे।

यह सहयोग एक मील का पत्थर है, और हम दुनिया भर के प्रशंसकों को इसका अनुभव कराने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

सुरभि ज्योति के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, एक्ट्रेस की हाट फोटोज हुईं वायरल

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें वो काफी ज्यादा सिजलिंग और हॉट अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस सुरभि ज्योति हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर शेयर की हैं।

इन फोटोज में आप देख

सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो बेहद ही शानदार लुक में नजर आ रही हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि ज्योतिन ने व्हाइट कलर का टॉप पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही कातिलाना लुक में नजर आ रही हैं।सुरभि ज्योति सोशल मीडिया लवर हैं। वो इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस का हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड करता है।

बाक्स आफिस पर फिल्म जिगरा की दैनिक कमाई में गिरावट, तीसरे दिन जुटाए इतने करोड़ रुपये

वासन बाला के निर्देशन में बनी फिल्म जिगरा को बीते शुक्रवार यानी 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।एक्शन से भरपूर इस फिल्म में आलिया भट्ट और वेदांग रैना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में दोनों की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है, लेकिन इसकी कहानी दर्शकों को कुछ ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकी।आइए जानते हैं जिगरा ने तीसरे दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जिगरा ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले रविवार को 5.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया।इस फिल्म ने 4.55 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी। दूसरे दिन इस फिल्म ने 6.55 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।इसी के साथ अब जिगरा का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 16.75 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म को आप हिंदी के साथ तेलुगु भाषा में देख सकते हैं। जिगरा में आलिया ने वेदांग की बड़ी बहन का किरदार निभाया है, जो अपने भाई को हर मुसीबत से बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।फिल्म में आलिया न सिर्फ अभिनय कर रही हैं, बल्कि वह फिल्म की सह–निर्माता भी हैं। उन्होंने जाने–माने निर्देशक और निर्माता करण जौहर के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण किया है।इस फिल्म के निर्देशन की कमान वासन बाला ने संभाली है।

मृणाल ठाकुर की फिल्म पूजा मेरी जान की रिलीज आगे खिसकी

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पूजा मेरी जान को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में हुमा कुरैशी और विजय राज भी नजर आएंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान नवजोत गुलाटी ने संभाली है, वहीं दिनेश विजान इसके निर्माता हैं।दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब आपको फिल्म को देखने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।दरअसल, निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख को आगे खिसका दिया है

रिपोर्ट के मुताबिक, पूजा मेरी जानी नवंबर, 2024 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह अगले साल की शुरुआत में सिनेमाघरों में आएगी।निर्माताओं ने यह फैसला छावा की वजह से लिया है, जो 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली है। दरअसल, विक्की कौशल की फिल्म की निर्माण भी विजान कर रहे हैं।विजान दोनों फिल्मों पर एक साथ ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए उन्होंने पूजा मेरी जानी की रिलीज को आगे खिसका दिया है।पूजा मेरी जान की शूटिंग खत्म हो चुकी है। यह फिल्म अपने पोस्ट–प्रोडक्शन पर है।विक्रम सिंह चौहान, राजेश जैस, निखिल अंगरीश और चौतन्य व्यास जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।विजान इस फिल्म का निर्माण अम कौशिक, आनंद मिश्रा, संजीव मिश्रा और योगीराज शेट्टी के साथ मिलकर कर रहे हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 17 अक्टूबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

अम्बेडकर सभागार में किया गया किसान दिवस का आयोजन

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति आर की अध्यक्षता में अम्बेडकर सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गयाबैठक में सर्वप्रथम जिला कृषि अधिकारी द्वारा पिछली बैठक की कार्यवृत्त को पढ़ा गया, जिसमें अधिकांश शिकायतों का निस्तारण करा दिया गया है। जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति आर0 ने किसान दिवस में उपस्थित किसानों की समस्याओं को सुना गया जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति आर ने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिया कि किसानो द्वारा की जा रही मांग को समय से पूर्ण कराये प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभार्थियों के खाते में क्षतिपूर्ति की धनराशि प्रेषित कराने का निर्देश दिया गया

कोई भी दुकानदार कालाबाजारी न करने पाये सभी अधिकारी किसानों की समस्याओं का शत प्रतिशत निस्तारण करायें जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी किसान दिवस में अवश्य उपस्थि रहे खरीफ के समय में डीएपी एवं यूरिया की उपलब्धता होना चाहिए तथा सभी उर्वरक निर्धारित मूल्य पर किसानो को उपलब्ध कराया जाये जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति आर ने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों को संबधित अधिकारियों को प्रेषित करके उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कराये। जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति आर ने समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भारत सरकारध्द प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही समस्त योजनाओ का लाभ समस्त किसानो को दिलाना सुनिशिचित् करे जिला कृषि अधिकारी द्वारा बैठक में आए हुए समस्त अधिकारीगण व सम्मानित कृषको को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस बैठक में उप कृषि निदेशक अरविन्द कुमार विश्वकर्मा, जिला कृषि अधिकारी

मुहम्मद मुजम्मिल, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ जीवन लाल, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला उद्यान अधिकारी नन्हे लाल वर्मा तथा किसान यूनियन के समस्त पदाधिकारी एवं किसान व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हाईस्कूल एवं इंटरमीडिट में टापटेन बालिकाओ को जिलाधिकारी ने किया पुरस्कृत

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत मेधावी छात्राओं को पुरस्कृत करने के लिए शैक्षिक सत्र 2023–24 में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में टापटेन बालिकाओं को जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर ने उपहार देकर सम्मानित किया सम्मानित होने वालाी छात्राओं में हाईस्कूल की खुशी पांडेय, शांभवी द्विवेदी, महिमा यादव, मानस्वी मिश्रा, अर्चिता, अंशिका रौनियार, फरहत जबी, दिव्या भरती, श्रेया श्रीवास्तव, इंटरमीडिएट की छात्रा चार्ली गुप्ता, पलक सिंह, निधि, अंशिका चौधरी, अपराजिता, अर्पिता द्विवेदी, श्रेजल, भव्या सिंह, महिमा चौधरी, शायकी पटेल शामिल थी कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम के आयोजन के तहत बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के संदेश के साथ जिलाधिकारी की तरफ से यह पहल की गई

शहर स्थित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज तेतरी बाजार में 12वीं की छात्रा रही और अब नीट की तैयारी कर रही दीपिका मिश्रा का चयन इसके लिए किया गया छात्रा 11 बजे कलेक्ट्रेट पहुंची डीएम डॉ. राजागणपति आर ने छात्रा को गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया इसके बाद अपने कुर्सी पर उन्होंने बैठाया लगभग एक घंटे के लिए डीएम बनी छात्रा दीपिका ने जिलाधिकारी के कार्य एवं दायित्व को समझा। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेंद्र कुमार मौर्या, सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके झा, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, राजकीय इंटर कॉलेज नौगढ़ के प्रधानाचार्य दयाशंकर यादव, जीजीआईसी तेतरी बाजार की प्रधानाचार्य कल्पना पांडेय समेत तनवीर अहमद, विवेक कुमार मालवीय, उमाशंकर, अविनाश सिंह, विश्वजीत सिंह, उमर चन्द्र यादव, रोहित कुमार, विजय प्रजापति, मयूर यादव, सर्वेश कुमार आदि उपस्थित थे

ब्रेकर पर उछले ट्रैक्टर–टाली से कुचल कर जीजा की मौत, साला गंभीर

कार्यवाही की मांग को लेकर रहवासियों ने किया हंगामा

सोनभद्र (आरएनएस)। सदर कोतवाली अंतर्गत कलवारी–खलियारी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिजौली मोड़ पर स्थित ऊंचे ब्रेकर पर तेज रफ्तार आ रहे ट्रैक्टर की चपेट में आने से 26 वर्षीय जीजा की जहां घटना स्थल पर ही मौत हो गयी वहीं 25 वर्षीय साला गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे स्थानिय लोगों द्वारा एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल लोढ़ी भेजवाया गया। घटना से आक्रोषित लोगों ने राबर्ट्सगंज–खलियारी मार्ग को जांम कर हंगामा करना शुरू कर दिया। जानकारी मिलते ही उपजिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी और क्षेत्राधिकारी डा0 चारू द्विवेदी के द्वारा कड़ी कार्यवाही का भरोसा दिये जाने के बाद लोग शांत हुए।

बताया जाता है कि रायपुर थाना क्षेत्र के नंदना निवासी सुनील कुमार यादव पुत्र रामरक्षा यादव अपने साला गढ़वा थाना क्षेत्र के चक्रघटा जिला चंदोली निवासी प्रमोद यादव के साथ बिजौली मोड़ के पास स्थित बाटी–चोखा की दुकान पर बाटी–चोखा खाकर बाइक पर बैठने जा रहे थे। बुधवार की सुबह करीब 9.30 बजे खलियारी की तरफ से तीव्र गति से आ रहा ट्रैक्टर–टाली ऊंचे ब्रेकर की वजह से उछलकर उन्हे रौदते हुए आगे निकल गया। दुर्घटना देख जब तक लोग मौके पर पहुचकर देखने के बाद उन्हे इलाज के लिए भेजने के लिए एम्बुलेंस की मांग किया। जब तक एम्बुलेंस वहां पहुची सुनील ने दम तोड़ दिया और घायल प्रमोद यादव को जिला अस्पताल भेज दिया। घटना से आक्रोषित लोगों ने कार्यवाही की मांग को लेकर राबर्ट्सगंज–खलियारी मार्ग को जांम कर हंगामा करना शुरू कर दिया इसकी जानकारी मिलते ही उपजिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी,घ्क्षेत्राधिकारी डा0 चारू द्विवेदी, कोतवाल सतेन्द्र कुमार राय मय पुलिस फोर्स घटना स्थल पर जा पहुंचे और आक्रोषित लोगों को कड़ी कार्यवाही का भरोसा दिलाया तब जाकर एक घंटे बाद लोगों का गुस्सा शांत होनें के बाद आवागमन बहाल हो पाया। लोगों का कहना है कि नदी के ऊंचाई से होकर जब वाहन आते है तो रफ्तार और बढ़ जाती है वहीं ऊंचे ब्रेकर की वजह से वहां आये दिन दुर्घटना होती रहती है वही राइस मिल पर आने वाले सैकड़ो वाहन सड़क किनारे खड़े रहते है जिनकी वजह से बिजौली मोड़ से अक्छोर की बीच भी दुर्घटनाये होती रहती है जिसको लेकर क्षेत्रवासियों द्वारा कई बार उच्चाधिकारियों को अवगत भी कराया गया लेकिन मिलरों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुयी और ट्रकें सड़क पर अक्सर देखी जाती है जो किसी दिन बड़ी घटना का कारण बन सकता है।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े का हुआ समापन

–टीआई ने यातायात नियमोंके पालन पर दिया जोर, लोगोंको किया जागरूक

सोनभद्र (आरएनएस)। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में बुधवार को सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के समापन पर यातायात नियमों के पालन का महत्व बताया। 2 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक चले इस पखवाड़े में लोगों को सड़क पर सुरक्षित रहने और नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। यह पहल सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम के समापन के मौके पर यातायात प्रभारी अविनाश सिंह ने यातायात संकेतों और नियमों के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा बगैर हेलमेट के मोटरसाइकिल कदापि न चलाये, अपने बच्चों को बगैर ड्राइविंग लाइसेंस के बाइक व कार न चलाने दें। उनके अनुसार सड़क पर दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने के लिए सभी को नियमों का पालन करना आवश्यक है। इस अवसर पर एआरटीओ प्रवर्तन राजेश्वर यादव ने हम सभी यातायात नियमों का पालन करें। अगर आप लोग के परिवार से कोई वाहन लेकर निकले तो उनको हेलमेट पहना कर घर से भेजें। हेलमेट हम लोगों के जीवन का अहम हिस्सा है। वाहन चलाते समय जल्दबाजी नही करनी चाहिए। धीरे वाहन चलाकर दुर्घटना से बचा जा सकता है। पीडब्लूडी एक्सीएन शैलेश ठाकुर ने सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने में योगदान दिया। पखवाड़े के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सड़क पर सुरक्षित रहने की जानकारी दी गई। संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) आलोक यादव ने सभी से अपील की कि वे हमेशा यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि सभी मिलकर एक सुरक्षित सड़क परिवहन सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय पर्स में चार चीजों का रखना जरूरी है। ड्राइविंग लाइसेंस, गाड़ी के कागजात, पीयूसी, इंसोरेंस जरूर रखे। कहा कि यातायात के नियमों का पालन कर हम एक नए समाज का निर्माण कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में गुड सेमेरिटन को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला चिकित्सालय आई सर्जन डॉ प्रदीप कुमार, प्रधान सहायक कृपांकर दूबे, विनोद सोनकर, ललित नरायण त्रिपाठी, सारथी जुगलेश पाण्डेय, राजू सिंह, विजय पाण्डेय समेत यातायात के कर्मचारी मौजूद रहे।

वाइक सवार ने बृद्ध को मारी टक्कर

करमा (सोनभद्र) (आरएनएस)कर्मा थाना क्षेत्र के भरूहा माइनर पर बुधवार दोपहर वाइक सवार ने जड़ेरुआ निवासी भगत यादव को टक्कर मार दिया जिसमें बृद्ध की हालत गंभीर है। पीआरवी पुलिस के सहयोग से स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया ।बताया जाता है कि कर्मा थाना क्षेत्र के जड़ेरुआ निवासी भगत यादव (70)वर्ष पुत्र सुखदेव घर की दिनचर्या की खरीदारी करने मिर्जापुर–सोनभद्र मुख्य मार्ग पर स्थित भरुहा माइनर पर आये थे और समान खरीद कर वापस घर लौट रहे थे कि अचानक राबर्ट्सगंज की तरफ से आ रही वाइक सवार ने अनियंत्रित होकर भगत को ठोकर मार दी व स्वयं भी गिर पड़ा।स्थानीय लोगों ने दोनों को उठाया।फिर वाइक सवार से पूछताछ की तो उसने बताया कि मैं राबर्ट्सगंज से राजगढ़ किसी की गाड़ी बनाने जा रहा था।स्थानीय लोगों ने घर वालो को सूचना दी और पीआरवी पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही पीआरवी पुलिस व घर वाले आ गए।पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करमा पहुचाया गया जहाँ डॉक्टर ने प्रथम उपचार कर जिलाअस्पताल रेफर कर दिया।डॉ0 ने बताया कि मरीज पैर की हड्डि टूट गईहै ।यहां एक्सरे की सुविधाएं उपलब्ध नहीं है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता का मौत

सोनभद्र (आरएनएस)। सदर कस्बा चौकी क्षेत्र के दीपनगर पुरानी सब्जी मंडी के समीप 32 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में बुधवार सुबह हुई मौत से परिजनों में मचा हड़कम्प मच गया।बताया जाता है कि आरती 32 वर्षी पत्नी शुभम केसरी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुयी मौत की सूचना बुधवार की सुबह परिजनों ने पुलिस को देखकर मामले से अवगत कराया। वहीं मायके के परिजनों को सूचित करने पर मौके पहुंचे मृतका के परिजन ने हत्या का लगाया आरोप लगाते हुए बताया कि डेढ़ वर्ष पूर्व शादी हुई थी लगभग 3 महीने से मृतका प्रेग्नेंट थी। मेरी लड़की को उसके पति व परिजनों द्वारा जान–बूझ कर मार डाला गया वहीं चचेरे बड़े भाई मनोज केसरी ने बताया कि पिछले दो–तीन दिनों से एक प्राइवेट अस्पताल में आरती का दवा इलाज किया जा रहा था अचानक तबीयत खराब हो जाने के कारण उनकी मृत्यु हो गई हालांकि मामले में संबंधित पुलिस को अवगत करा दिया गया है उधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

न्यायालय के आदेश पर पूर्व सपा विधायक के करीबी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सोनभद्र (आरएनएस)। सपा नेता और घोरावल पूर्व विधायक के करीबी और उसके परिजनों पर पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर गंभीर धाराओं में बीते दिनों केस दर्ज किया है। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण प्रदान करने की बात कहीं गई है।रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने न्यायालय में दिए प्रार्थना में बताया कि उसने शादी पड़ने पर गंव के राजाराम देव पांडेय को दो लाख रुपये दिया था। जिसे ब्याज के साथ वापस करना था।बताया कि रुपये वापस मांगने पर विवाद कर रहे हैं। आरोपी का परिवार घोरावल विधानसभा से सपा के पूर्व विधायक रमेश चंद्र दुबे के साथ रहते हैं।उनके यहां काम करते हैं। आरोप है कि कुछ माह पूर्व राजेश, रमेश देव, रोशन, शुभम, राजाराम हथियार बंद होकर उसके घर में घुस आए।जहां कमरे का दरवाजा पीटने लगे। दरवाजा खोलने पर उसकी पत्नी के साथ बदसलूकी की गई। उसकी पत्नी के साथ बदसलुकी किए और उसके बेटे आनंद से हस्ताक्षर आरोपी फर्जी तरीके से स्टांप पेपर पर लिखवाना चाहते थे और राजनीतिक व्यक्ति का संरक्षण एन होने के नाते पुलिस आरोपित के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक कोर्ट के आदेश पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

यतींद्र उपाध्याय को योग स्वामी रामदेव ने किया सम्मानित

सोनभद्र (आरएनएस)। हरिद्वार में चल रहे प्रमुख योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में यतीन्द्र कुमार उपाध्याय को योग स्वामी रामदेव द्वारा रुद्राक्ष की माला पहना कर सम्मानित किया गया। यतींद्र कुमार उपाध्याय के साथ रवि प्रकाश त्रिपाठी, गोपालदास केशरी राजेश कुमार, राम त्रिपाठी, चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी अनिल चौरसिया, नागेंद्र नाथ चौबे आदि को भी स्वामी रामदेव ने रुद्राक्ष की माला पहना कर सभी को आशिर्वाद प्रदान किया । उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त हरियाणा, हिमाचल प्रदेश,पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश आदि के राज्यों से भी बड़ी संख्या में योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए स सभी योग शिक्षको ने घर घर योग कराने का संकल्प लिया।

दीक्षांत समारोह को संबोधित राज्यपाल मंगु भाई पटेल द्वारा किया गया

चित्रकूट (आरएनएस)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के दीक्षांत प्रांगण में परम्परागत ढंग से सम्पन्न हुआ। कुलाधिपति और दीक्षांत समारोह के अध्यक्ष मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगु भाई पटेल ने 26 छात्रों को शोध उपाधि व 32 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पदक और एक विद्यार्थी को नानाजी मेडल मंच से प्रदान किया। समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने दीक्षांत उद्बोधन दिया। कुलगुरू प्रो भरत मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन और प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उपाधि धारकों को दीक्षांत शपथ भी दिलाई। दीक्षांत शोभायात्रा का नेतृत्व कुलसचिव नीरजा नामदेव ने किया।

दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति मंगु भाई पटेल ने नानाजी के कार्यों को स्मरण किया। उन्होंने उपाधि धारकों से कहा कि ऐसा कोई काम नहीं करना है जिससे समाज या राष्ट्र का अहित हो। कहा कि नौकरी और बड़े पद पायें, लेकिन ये याद रखें कि इस मुकाम तक पहुँचाने वाले माता–पिता, समाज, देश और शिक्षक हैं। समृद्धि और सफलता के शिखर पर पहूँचकर इन्हें कभी न भूलें। समृद्धि पुरूषार्थ से सभी को मिल सकती है पर उनकी इच्छा यह है कि समृद्धि के साथ उदारता को भी प्राप्त करें। आज के समय में लक्ष्य से भटकाने वाले बहुत से आकर्षण समाज में हैं। इनसे बचकर अपना समय और शक्ति राष्ट्र और स्वकल्याण में लगायें।

मप्र शासन के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले दीक्षांत समारोह ऐसे हुआ करते थे जैसे अपने देश में न होकर विदेश में हो रहें हो। यह भारतीयता का स्वरूप सबको लुभाने वाला है। इस नवाचार के लिए विश्वविद्यालय बधाई के योग्य है। भारतीयता और भारतीय मूल्य उच्च शिक्षा के मूल में रहें यही नानाजी का चिंतन था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से भारतीयता से अनुप्राणित शिक्षा व्यवस्था दी है। मध्य प्रदेश ने इसे समग्रता से लागू करने में सफलता प्राप्त की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी बनाने के लिए उन्होंने कुलाधिपति के योगदान की सराहना की। उपाधि एवं पदक प्राप्ति के साथ उन्होने उपाधि धारकों से नानाजी के आदर्शो को अपने साथ समाज में ले जाने की जरूरत बताते हुए इस दिशा में संकल्प लेने की पैरवी की।

विश्वविद्याय के कुलगुरू प्रो भरत मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा, शोध, प्रसार और प्रशिक्षण के परम्परागत आयामों के साथ संसाधन सृजन का नया आयाम जुडा है। विश्वविद्यालय ने तीन दशकों की अपनी उपलब्धि पूर्ण यात्रा में इन सभी आयामों पर महत्वपूर्ण काम किया है। लोकार्पित प्रकल्प ग्राम दर्शन के बारे में उन्होने कहा कि यह विद्यार्थियों की रचनात्मक सक्रियता का जीवन्त प्रमाण है। ग्राम दर्शन प्रदर्शन नहीं आत्मदर्शन है। इस अवसर पर कुलगुरू ने कुलाधिपति एवं उच्च शिक्षा मंत्री को स्मृति चिन्ह के रूप में रामलला की सुन्दर प्रतिमा भेंट की। मंच पर ही ललित कला के छात्रों ने अतिथि द्वेय को उनके प्रोटेट आकार के रंगीन चित्र भेंट किए। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और शाल श्रीफल से हुआ।

दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के मुखपत्र ग्रामोदय संदेश की प्रतियों का वितरण किया गया। जिसमें विवि मौजूदा गतिविधियों को सुरूचिपूर्ण ढंग से रखा। इस अवसर पर शिक्षक डॉ रमेश चन्द्र त्रिपाठी, डॉ जय शंकर मिश्र, डॉ उमाशंकर मिश्रा, डॉ राकेश श्रीवास्तत, डॉ उमेश शुक्ला, डॉ अभय कुमार वर्मा की पुस्तको का विमोचन भी सम्पन्न हुआ दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ ललित कुमार सिंह ने किया इस अवसर पर उपाधि और मेडल पाने वाले विद्यार्थी, अभिभावक, गणमान्य नागरिक, प्रशासनिक अधिकारी, ग्रामोदय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे

रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा आरती की गई

राम राज्याभिषेक के साथ रामलीला का हुआ समापन

राजापुर (चित्रकूट) (आरएनएस)। तुलसी जन्मस्थली राजापुर में तुलसीकृत प्राचीन रामलीला के अंतिम दिन राम राज्याभिषेक का मंचन कलाकारों ने प्रस्तुत किया। इसके बाद नगर पंचायत अध्यक्ष संजय मिश्रा ने विधिवत पूजा अर्चना कर रामलीला का समापन कराया।

भगवान राम के चरित्र प्रणेता गोस्वामी तुलसीदास की जन्मस्थली में तुलसीकृत प्राचीन रामलीला कमेटी के तत्वावधान में प्रान्तीय स्तर के कलाकारों के माध्यम से मुकुट पूजा से लेकर विजयदशमी को रावण वध की लीला तुलसी स्मारक प्रांगण में संपन्न कराई गई। अंतिम दिन भगवान राम के राज्याभिषेक के साथ 18 दिवसीय रामलीला का समापन हो गया है। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष संजीव मिश्रा, उपाध्यक्ष सुनील मिश्रा एवं कार्यकारी अध्यक्ष सोमनाथ अग्रवाल ने बताया कि पूर्वजों ने सन 1915 में रामलीला भवन का निर्माण कराया था। मंचन के दौरान कलाकारों की प्रस्तुतियां देखकर दर्शक भावविभोर हो गए। जय श्री राम के जयघोष से रामलीला मैदान गुंजायमान हो गया। इस दौरान संरक्षक विकास मिश्रा, अशोक द्विवेदी, हरी अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, दीपक जायसवाल, सतीश मिश्रा, ओम प्रकाश प्रजापति, मंटू गुप्ता, भरतलाल जायसवाल, सन्तोष सोनी, राधेश्याम सोनी, प्रिंस केसरवानी, रोहित केसरवानी, हरिकृष्ण अग्रवाल, श्रीकृष्ण अग्रवाल, प्रशांत तिवारी आदि नगर व क्षेत्र के ग्रामीण मौजूद रहे

महिलाओं की आयोग सदस्य ने सुनी समस्याएं

–कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

चित्रकूट (आरएनएस)। राज्य महिला आयोग सदस्य अर्चना पटेल ने बुधवार को महिला जनसुनवाई निरीक्षण भवन में किया। उन्होंने महिला अपराध, पास्को एक्ट, स्वयं सहायता समूह कस्तूरबा गांधी विद्यालय, राजकीय बालिका विद्यालय, एंटी रोमियो एवं मिशन शक्ति अभियान, भिक्षावृत्ति से संबंधित समस्याओ पर जनसुनवाई की।उन्होंने कस्तूरबा गांधी विद्यालय शिवरामपुर का निरीक्षण कर छात्राओं व स्टाफ के बारे में जानकारी ली। एंटी रोमियो व मिशन शक्ति के संबंध में कहा कि इसका प्रचार प्रसार ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक कराए। जनपद की जो पिछड़ी आबादी है उन महिलाओं को योजनाओं को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि विधवा, वृद्ध पेंशन के जो पात्र है उनको न मिलकर अपात्र को मिल रही हैं। इसमें सुधार कराए। उन्होंने कहा कि इसको चौपाल लगाकर प्रचार प्रसार कराए। उन्होंने जनपद में संचालित स्वयं सहायता समूह के बारे में पूछा। जिसमें डीसी एनआरएलएम ने बताया कि जनपद में 6319 स्वयं सहायता समूह है जो सभी संचालित है। भिक्षावृत्ति के संबंध में उन्होंने कहा कि कितने बच्चे हैं जिनका स्कूलों में रजिस्ट्रेशन कराया गया है। उसकी सूची उपलब्ध कराए। उन्होंने बीएसए से सरकारी स्कूलों में पिछले वर्ष छात्र छात्राओं की स्थिति एवं इस वर्ष की छात्र छात्राओं की स्थिति के बारे में जानकारी ली। बीएसए ने बताया कि छात्र छात्राओं में 979 की वृद्धि इस वर्ष किया गया है। इस अवसर पर सीओ राजापुर निष्ठा उपाध्याय, डीआईओएस संतोष कुमार मिश्रा, जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा, उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।